

तापमान

कोफे

अधिक.

रांची

अधिक.

28.0°

27.6°

न्यून.

न्यून.

23.0°

22.2°

हजारों लोगों ने खींचा रथ

मेले में ग्रामीणों और जनजातियों की भीड़

जनता जनार्दन के बीच पहुंचे प्रभु जगन्नाथ

रथ यात्रा के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान श्री जगन्नाथ से प्रार्थना है कि यह शुभ यात्रा सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का संचार करे। जय जगन्नाथ।

- संतोष कुमार गंगवार, राज्यपाल (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

आज महाप्रभु भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा का ऐतिहासिक और पावन महापर्व होता है। हर साल मैं वहां उपस्थित होता था। अभी आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी अस्वस्थ हैं, इसलिए मैं रथयात्रा में शामिल नहीं हो पाया। भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूँ कि आदरणीय गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आएँ और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनाएँ रखें। भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करें, धन्यवाद, जोहार!

- हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)



नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में शुक्रवार को प्रभु जगन्नाथ जनता जनार्दन के बीच पहुंचे। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा तीनों श्रीविग्रहों की श्रद्धा के साथ विधिवत पूजा-अर्चना के बाद भव्यता के साथ मुख्य मंदिर धुर्वा से मौसीबाड़ी पहुंची। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के रथ को हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक खींचा। मुख्य मंदिर जगन्नाथपुर से लेकर मौसीबाड़ी मंदिर तक का

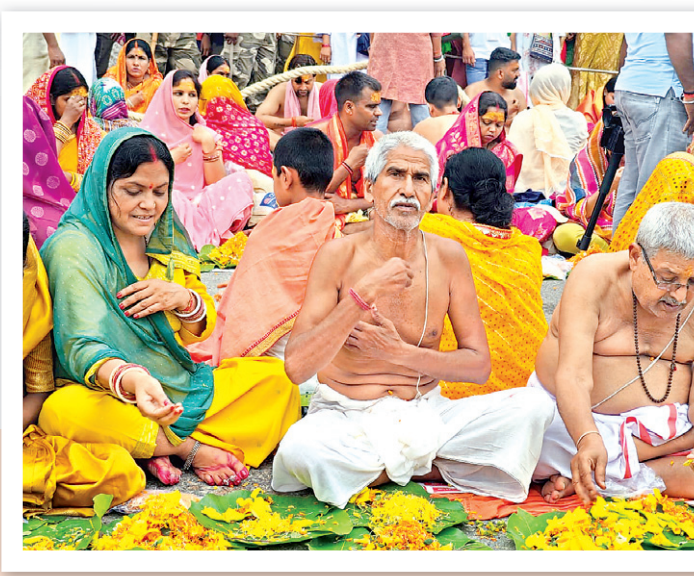
वातावरण आस्था और भक्ति में डूबा रहा। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र अगले नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में निवास करेंगे। इसके बाद आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी (06 जुलाई 2025) को उनकी पुनः मुख्य मंदिर में वापसी होगी। उस दिन की रथ यात्रा को चुरती रथ यात्रा कहते हैं।

शुक्रवार को रथयात्रा को लेकर पूरी रांची भक्ति में डूबी हुई थी। अहले सुबह से यहां मंदिर परिसर और मेले में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा था।

शेष पेज 11 पर

महाप्रभु जगन्नाथ, वीर बलराम एवं मां सुभद्रा सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें। सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

- बाबूलाल मराडी, नेता प्रतिपक्ष (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)



मेला सामाजिक एकता का प्रतीक : सुधांशुनाथ

जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सदस्य एवं मंदिर के प्रथम सेवक और सेवाईत एवं बड़कागढ़ स्टेट के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी ठाकुर सुधांशुनाथ शाहदेव के अनुसार, यह रथयात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि मानवता, समर्पण और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र नौ दिनों के लिए मौसीबाड़ी पहुंचे हैं। यहां नौ दिनों तक भगवान को गुंडीचा भोग लगेगा। विधि विधान के साथ पूजा की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह पर्व हमारे जीवन में शुद्धता, त्याग और धर्म की भावना जागृत करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे श्रद्धा और अनुशासन के साथ रथयात्रा उत्सव में भाग लें और झारखंड की इस सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखें।

पारंपरिक जीवनशैली का संगम है जगन्नाथपुर का रथ मेला

जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेले में ग्रामीण जीवन की समृद्ध विरासत और कारीगरी भी दिखाई पड़ती है। मेला परिसर में बहुत से सामानों की बिक्री होती है, जिसमें पईला, मांदर, ढोल, नगाड़ा, झंझरा, तीर-धनुष, कुमनी, बंशी, जैसी आकर्षक वस्तुओं मिलती हैं। दूर-दराज के इलाकों से आए लोग पारंपरिक चीजों की खरीदारी करते हैं। मेले में बिक रही ये वस्तुएं न केवल ग्रामीण संस्कृति की पहचान है, बल्कि सैकड़ों कारीगरों की जीविका का साधन भी है।

लोहरदगा में दादी और पोते की हत्या, दहशत

लोहरदगा। जिले में दोहरे हत्याकांड की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के भक्वो डूमरटोली गांव में एक महिला और उसके नाबालिग पोते की घर के अंदर ही बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके गहरे सदमे में हैं।

शेष पेज 11 पर

खादसाप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।

संपर्क/खादसाप

82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क

+91 82923 73444 कार्यकारी संपादक।

जेजेएमपी के उग्रवादियों से हरकट्टा जंगल में हुई पुलिस की मुठभेड़

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा और लातेहार की सीमा पर स्थित हरकट्टा जंगल में पुलिस और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। इसमें पुलिस दल पर उग्रवादियों ने फायरिंग की, जिसका जवानों ने मुहताज जवाब दिया। हालांकि, उग्रवादी अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन में पुलिस ने बड़ी मात्रा में कारतूस, मोबाइल फोन, नकदी और नक्सली साहित्य बरामद किए हैं। लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई थी। सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का सुप्रीमो रवींद्र यादव सहित सचिन, विशाल, कालेश्वर खेवार एवं शिवजी अपने दरसे के साथ किसी बड़ी उग्रवादी घटना को

बड़ी संख्या में कारतूस, मोबाइल और नक्सली साहित्य बरामद



अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा एवं कमांडेंट, 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, लातेहार के निर्देश पर एक संयुक्त छापेमारी दल का गठन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ

किस्को वेदांत शंकर (भापुसे) ने किया। साथ ही, जी कंपनी, सशस्त्र सीमा बल किस्को के कमांडर इम्पेक्टर मनीष कुमार चौबे, जोगांव के थाना प्रभारी हर्षवर्धन सिंह, कैरो के कुलदीप राज टोप्पो, पेशारार के गैलन रजवार, बगरू के नरेश कुमार यादव, तकनीकी शाखा, क्यूएटी बड़कीचांपी, एसएटी-75 एवं अन्य बल शामिल थे।

जब छापेमारी दल हरकट्टा से आगे बढ़ते हुए लातेहार जिला अंतर्गत ग्राम केदलीटोली पहुंचा, तो उग्रवादियों द्वारा पुलिस बल को लक्ष्य कर गोलीबारी की गई। जवाबी कार्रवाई में बलों द्वारा सतर्कता के साथ फायरिंग की गई, जिससे जंगल एवं अंधेरे का लाभ उठाकर नक्सली भाग निकले। सर्च ऑपरेशन में एसएलआर मैगजीन - 1, 7.62 मिमी की 51 जिंदा गोली, 7.62 के 2 खोखा शेष पेज 11 पर

चतरा को मिलेगा 10 करोड़ का पुरस्कार आकांक्षी जिला कार्यक्रम में चतरा को शीर्ष रैंकिंग

नवीन मेल डेस्क

रांची। नीति आयोग की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मार्च 2025 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार चतरा जिला ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के 112 आकांक्षी जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों, नवाचारों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रतिफल है। नीति आयोग द्वारा यह जानकारी शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक के माध्यम से साझा की गई। इसमें चतरा जिले की बहुआयामी प्रगति विशेषकर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सराहा गया। ज्ञात हो कि शीर्ष प्रदर्शन करने वाले चतरा जिले को नीति आयोग द्वारा 10 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जिसका उद्देश्य जिला स्तर पर विकासात्मक पहलों को और अधिक गति देना है। इसके अलावा, गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉर्मंस के लिए भी चुना गया है। इस उपलब्धि पर चतरा जिले की उपयुक्त कीर्ति श्रीजी ने जिले की पूरी प्रशासनिक टीम, विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है और हम सभी मिलकर इसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शिवू सोरेन को ब्रेन स्ट्रोक आईसीयू में भर्ती, हालत गंभीर

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची/नई दिल्ली। दिल्ली में इलाजरत झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य शिवू सोरेन की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, ब्रेन स्ट्रोक के कारण उनके शरीर के बाई और पैरालिसिस हो गया है। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। न्यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ डॉक्टर की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। राज्य भर में लोग गुरुजी के स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। ज्ञात हो कि दिशोम गुरु शिवू सोरेन दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने भी उनकी स्थिति में गिरावट पर चिंता जताते हुए उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। वे किडनी की बीमारी से पहले से जूझ रहे हैं और पिछले एक साल से डायलिसिस पर हैं। इसके अलावा वे डायबिटीज से भी पीड़ित हैं। कुछ साल पहले उनकी ओपेन हार्ट सर्जरी भी हुई थी। पारिवारिक स्रोतों की ओर से बताया गया है कि अस्पताल में न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञों की टीम लगातार



दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में हैं इलाजरत

उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। अस्पताल स्रोतों के अनुसार, आईसीयू में केवल सीमित लोगों को ही उनसे मिलने की अनुमति दी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी अस्पताल में मौजूद हैं।

गुरुवार को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अस्पताल पहुंचकर शिवू सोरेन से मुलाकात की थी और उनके स्वास्थ्य के बारे में उनके पुत्र झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जानकारी ली थी।

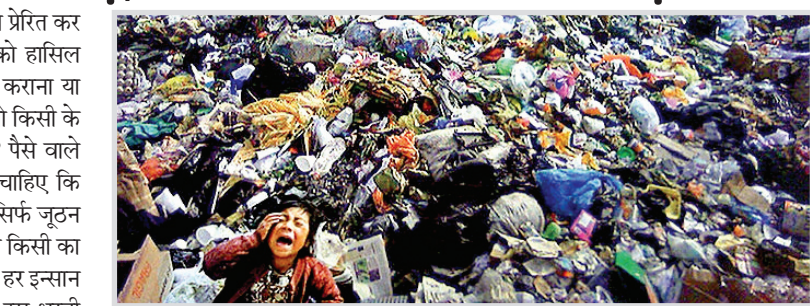
इसके पूर्व झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी अस्पताल में शिवू सोरेन से मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी सहित झारखंड कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शुक्रवार को शिवू सोरेन से मिलने दिल्ली पहुंचे हैं।

इंडिया कहीं दाने को मुंहताज भीड़, तो कहीं अहंकारवश करोड़ों का खाना फेंका जाता है

बहुत से लोगों की आदत होती है घर हो या पार्टी खाना लेने के बाद पसंद नहीं आने पर थाली में छोड़ देते हैं या फेंक देते हैं जबकि बहुत से लोग खाने का एक कतरा तक नहीं छोड़ते और उतना ही खाना लेते हैं जितना खा पाएं। बहुत से लोगों का तर्क है कि उन्होंने पैसे देकर खाना खरीदा है इसलिए उनको अधिकार है कि वे खाए या फेंके जहां सुनील बादल कार्यकारी संपादक

भारत में इसको लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी इसे धर्म से जोड़ा जाता है कि यह प्रभु का प्रसाद है और फेंकने पर ईश्वर नाराज हो जाएंगे वहीं शहरी क्षेत्र के अनेक संपन्न लोगों के लिए खाना छोड़ देना सामान्य सी बात हो गई है जबकि विदेशों में इसे राष्ट्रीय संपत्ति बताकर बहुत बुरा माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर हर वर्ष खाद्य सुरक्षा दिवस के आयोजन समूचे विश्व में होते हैं और संकल्प लिया जाता है कि भोजन की बर्बादी को रोकने के लिए न सिर्फ ठोस कदम

उठाए जाएंगे, अपितु आमजन को प्रेरित कर शुन्य अपशिष्ट की अवधारणा को हासिल किया जाएगा। किसी को भोजन कराना या अन्नदान परमार्थ की भावना है, तो किसी के मुख से निवाला छीनना क्या है? पैसे वाले ही या गरीब सभी को समझना चाहिए कि थाली में छोड़ी गई खाद्य सामग्री सिर्फ जूटन न होकर कितनों के निवाले हैं, जो किसी का पेट भर सकते थे। यदि यह विचार हर इंसान में दृढ़ता से समा जाए, तो फिर इस धरती पर कोई भी भूखा नहीं रहेगा। दुर्भाग्यवश हम यह मानते हैं कि मात्र हमारे संवेदनशील या उन्नतवादी होने से क्या होगा? भोजन की बर्बादी को लेकर चिंता महाभारत युद्ध में भी उभरी थी कि जेजेएमपी का सुप्रीमो रवींद्र यादव सहित सचिन, विशाल, कालेश्वर खेवार एवं शिवजी अपने दरसे के साथ किसी बड़ी उग्रवादी घटना को



किया और उडुपी के राजा द्वारा प्रतिदिन रात्रि में मृगफली के छिलकों की गणना कर एक हजार से गुणा कर आगामी दिन के संभावित मृत सैनिकों की संख्या का आकलन किया जाता था और उसी अनुरूप भोजन एवं पानी की व्यवस्था की जाती थी। परिणामस्वरूप संपूर्ण युद्ध में जहां सभी सैनिकों के लिए, चाहे वे कौरव हों या पांडव, पर्याप्त मात्रा में भोजन एवं जल उपलब्ध रहा और भोजन का एक भी कण बर्बाद नहीं हुआ। यह इस तथ्य का प्रमाण है कि हजारों वर्ष पूर्व भी भोजन बचाने को कितना महत्व दिया गया था। संभवतया कुक्षेत्र में किए गए व्यवस्थित और उपयुक्त प्रबंधन के रहते ही उडुपी और व्यंजन पर्याय बन गए। लेकिन

दुर्भाग्यवश अभी मेहमानों की गणना आसन होने के बावजूद भोजन की बर्बादी सामान्य प्रक्रिया हो गई है। धर्म कोई भी हो भोजन के अपव्यय के प्रति सभी एकमत हैं और बर्बादी को रोकने के लिए प्रयास हो रहे हैं। इसी धर्म के कुछ संप्रदायों में भोजन की बर्बादी को दूसरों के अधिकार छीनने के समकक्ष मानते हुए इस सम्मत जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया है। अन्न की बर्बादी रोकने के लिए बुद्धि सिस्टम अपनाया गया था और अपील भी की जाती है पर बहुत से अहंकारी इसे अपमान मानते हैं। बड़े होटलों, रेस्तरां से लेकर मैजिस्ट्रेट के बाहर सैकड़ों टन बचा हुआ भोजन फेंका जाता है जिसका एक समाधान विरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल पशु वैज्ञानिक डॉ संत कुमार सिंह ने निकाला था कि उसे पालतू सूअरों का भोजन बनाया जाए। यह प्रयोग लोकप्रिय होता तो कम से कम इसकी उपयोगिता बनी रहती।

इसे बर्बाद करना अर्थात सृष्टि के निर्माता का अपमान करना है। इस्लाम में कुरान की आयतों और पैगंबर की शिक्षाओं में भी भोजन एवं खाद्यान्न बर्बादी के बारे में उल्लेख मिलता है। कुरान शरीफ में उपभोग की अति के दुष्परिणाम से आगाह करते हुए मौसम के अनुसार सेवन एवं उपज के प्रति कृतज्ञता का भाव रखने की सीख दी गई है। बाइबिल भी मानव को उत्तरदायी व्यवहार की शिक्षा देते हुए समस्त प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल और संरक्षण का संदेश देती है। ईसाई धर्म के कुछ संप्रदायों में भोजन की बर्बादी को दूसरों के अधिकार छीनने के समकक्ष मानते हुए इस सम्मत जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया है। अन्न की बर्बादी रोकने के लिए बुद्धि सिस्टम अपनाया गया था और अपील भी की जाती है पर बहुत से अहंकारी इसे अपमान मानते हैं। बड़े होटलों, रेस्तरां से लेकर मैजिस्ट्रेट के बाहर सैकड़ों टन बचा हुआ भोजन फेंका जाता है जिसका एक समाधान विरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल पशु वैज्ञानिक डॉ संत कुमार सिंह ने निकाला था कि उसे पालतू सूअरों का भोजन बनाया जाए। यह प्रयोग लोकप्रिय होता तो कम से कम इसकी उपयोगिता बनी रहती।

अधर्म पर धर्म की जीत है भारतीय सेना की कार्रवाई

भारत का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू कश्मीर के अपार सौंदर्य को देखने की इच्छा हर भारतीय के दिल में रहती है, परंतु पाकिस्तानी आतंकियों के आक्रामक हमले की वजह से लोगों का वहां जाना लगभग कम हो गया है। अनुच्छेद 370 हटाने के उपरांत वहां की सामान्य स्थिति को देखते हुए भारतीय पर्यटकों का रुझान उस ओर बढ़ा, परंतु पहलगाम के पास बैसरन घाटी पर हुए आतंकवादी हमले में हमारे 26 पर्यटक मारे गए और 17 घायल हुए। हमारी माता और बहनों के माथे का सिंदूर छिन गया। इतना ही नहीं, उन्होंने हमारे प्रधानमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि यह मोदी को हमारा संदेश है। यदा यदा ही धर्मस्य गलानिर्भवति भारतः, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मनः सृजाम्यहम् पट्टिणायण साधुनाम विनाशाय च दुष्कृतान् धर्म संस्थापनायार्थं संभवानि सृजेयुः।



धर्म की हानि और अधर्म को इस वृद्धि पर स्वयं को (हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने) साकार रूप से प्रकट किया है। अपने नेतृत्व में 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत तीनों सेना के शूरवीरों ने 6 और 7 मई को आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर पाकिस्तान को धूल चटा दी और उनके आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। पाकिस्तानियों को धूल चटकार सबसे बड़ी स्ट्राइक का जामा पहनाया और मेक इन इंडिया हथियारों में अपना विश्वास जमाया। इस तरह 'ऑपरेशन सिंदूर' को कामयाब बनाया।

जगन्नाथपुर

मेले
में

उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ लोगों ने जमकर की खरीदारी

का जल मेहता रांची। राजधानी रांची में शुक्रवार को महाप्रभु जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। इस खास मौके पर हजारों श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचने के लिए मुख्य मंदिर पहुंचे। भगवान जगन्नाथ को रथ में बैठाकर मौसीबाड़ी तक ले जाया गया। शुक्रवार से जगन्नाथ मेले की भी शुरुआत हो गई, जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल होंगे। मेले में पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण जैसे कई धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। मेले में तरह- तरह के मिठाइयों सहित तरह तरह के वाद्ययंत्र सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बिक रही हैं।

मेले में वाद्ययंत्र और कृषि यंत्रों की होती है अच्छी बिक्री



मेले में देखने को तो कई अजूबे हैं लेकिन इन सब में सबसे अलग है मंदार, नगाड़ा और ढोल जो भारी संख्या में बिकती हैं। बोकारो से किशतोदास और विश्वनाथ दास प्रतिवर्ष मेले में मंदार, ढोल और नगाड़ा बेचने के लिए आते हैं। इनका कहना है मंदार हमारे झारखंड की संस्कृति है। इसको हर पूजा पर्व में बजाना शुभ माना जाता है। वहीं बंगाल से आए गोरीनाथ ने कहा कि मंदार बनाने की प्रक्रिया सदियों से जो चली आई है उसी प्रक्रिया से आज भी मंदार बनाया जाता है। गोरीनाथ पारंपरिक तरीके से बनाए गए मंदार झारखंड के लोगों के मन को लुभाता है।

मेले में सजी मिठाइयां, स्वच्छता का नहीं रखा जा रहा ध्यान



रथ मेले के पहले दिन यानी शुक्रवार को मेले में काफी भीड़ रही। यह भीड़ अगले 10 दिनों तक रहेगी। मेले की रौनक और गाना बजाना अगले 10 दिनों तक जारी रहेगा। वहीं मेले में मिठाइयां भी रंगीन और तरह-तरह की बिक रही। जिसे कई लोग खाना पसंद करते हैं। हालांकि मिठाइयां खुले में बेची जा रही और किसी तरह की स्वच्छता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

पानी और शौचालय की व्यवस्था

मेले में नगर निगम के ओर पानी और शौचालय की व्यवस्था की गई थी ताकि दुकान लगाने वाले या आने वाले भक्तों को कोई परेशानी ना हो।



प्रशासन की सख्त निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस कमियों को साढ़े कपड़ों में भी तैनात किया गया था। रथ मेले में लगातार पुलिस की मॉनिटरिंग चलती रही। पुलिस आलाधिकारियों सहित कई थानों के थाना प्रभारी मौजूद रहे। आगे 10 दिनों के लिए पुलिस द्वारा पूरी तैयारी की गई है। कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं शुक्रवार को रथ यात्रा के दौरान कई वॉलेंटियर्स भी तैनात किए गए थे। मेले में 400 से अधिक पुलिसकर्मी, महिला बल, खुफिया एजेंसी के अधिकारी और वदीधारी कर्मी तैनात किए गए हैं। पांच वॉच टावर और 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरे मेले की निगरानी कर रहे हैं। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए हेल्प डेस्क बनाए गए।



कई संगठनों ने लगाया स्वागत शिविर

रथ मेले में कई समाजिक संगठनों की ओर से स्वागत शिविर लगाया गया है। इनमें शिवयोग सेवा केंद्र पर श्रद्धालुओं में निशुलक फल और शर्बत बांटा गया। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वागत शिविर में खिचड़ी का वितरण किया गया। इसके अलावा दि होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रांची इकाई की ओर से श्रद्धालुओं की तकलीफें पूछकर उनमें निशुलक दवा का वितरण किया गया। यहां लोगों की अधिक भीड़ देखी गई। कई लोग अपनी तकलीफें बताकर दवा ले गए। साथ ही सरना विकास समिति, धुर्वा, आदिवासी सरना समिति जगन्नाथपुर की ओर से स्वागत शिविर लगाया गया।

मेले में मौत का कुआं और झूलों की दिवानगी रहे लोग

मेले में मौत का कुआं और कई तरह के झूलों पर चढ़ने के लिए लोगों की दिवानगी देखी गई। विशेषकर बच्चे, युवतियां और महिलाओं में झूले पर चढ़ने का काफी फ्रेज देखने को मिला। सबसे अधिक भीड़ मौत का कुआं देखनेवालों की रही। जलपरी शो नामक मौत का कुआं के शो के लिए प्रति व्यक्ति 50 रुपये में टिकटों की बिक्री हो रही थी। वहीं कई तरह के झूलों में ब्रेक डांस, बड़ा झूला सहित कई तरह के झूले का लोगों ने आनंद उठाया।

पार्किंग के लिए वसूले जा रहे मनमाने रुपये

मेले में सबसे महत्वपूर्ण चीज पार्किंग है। मेले में पार्किंग के लिए लोगों से दो पहिया वाहन के लिए 50 रुपये और चार पहिया वाहन के लिए 100 रुपये वसूले जा रहे हैं। पार्किंग में वाहन लगाने वालों के लिए यह कीमत काफी अधिक है मजबूरन लोग पैसे देकर वाहन लगा रहे हैं।

12 सौ प्रति जोड़ा बिक रहा लव बर्ड

मेले में रंग-बिरंगी पक्षियों की भी बिक्री हो रही है। मैला में लव बर्ड की कीमत 12 सौ रुपये प्रति जोड़ा है। वहीं ललमुनिया नामक पक्षी के एक जोड़े की कीमत चार सौ रुपये, तोते की प्रति जोड़े की कीमत 12 सौ रुपये, जावा नामक पक्षी 12 सौ रुपये में एक जोड़ा तथा बजरी पक्षी की कीमत छह सौ रुपये प्रति जोड़ा है।

आठ से 16 सौ रुपये में बिक रहा जाल

मेले में मछली मारने वाले जाल की बिक्री आठ से 12 सौ रुपये में की जा रही है। दुकानदार परशुराम ने बताया कि पहले दिन बिक्री खास नहीं है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि मेले के दौरान अच्छी बिक्री होगी। उन्होंने बताया कि जगन्नाथपुर मेले में हर वर्ष उनके जाल की अच्छी बिक्री होती है। इस बार भी उन्हें उम्मीद है कि मेले में अच्छी बिक्री होगी।



जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को दी प्राथमिकता



नवीन मेल संवाददाता। रांची। धुर्वा से ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा पूरे विधि-विधान और भव्यता के साथ मुख्य मंदिर से मौसीबाड़ी पहुंची। इस दौरान जिला प्रशासन और पुलिस की पूरी टीम ने चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की, जिससे यह आयोजन सचारु और सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ।

रथ मेला को लेकर प्रशासन की है व्यापक तैयारी

जिला प्रशासन ने रथ यात्रा और इसके साथ आयोजित होने वाले रथ यात्रा के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्नी ने भी श्रद्धा पूर्वक भगवान के रथ को खींचा। इस दौरान उन्होंने पूरे विधि व्यवस्था पर नजर बनाए रखा था और मेला में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे।

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

रथ यात्रा मार्ग और मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, और वॉच टावर स्थापित किए गए। पुलिसकर्मी, पुरुष और महिला, के साथ-साथ मजिस्ट्रेट तैनात किए गए। साढ़े कपड़ों में पुलिसकर्मी भीड़ पर नजर रखने के लिए मौजूद रहे। नीलाद्री भवन में एक कमांड सेंटर स्थापित किया गया, जहां ड्रोन और सीसीटीवी फुटेज से निगरानी की जा रही है।

भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक ढंग से होती है पूजा : मुक्ति शाहदेव

रांची। जगन्नाथपुर मंदिर के संस्थापक, कोषाध्यक्ष सह सचिव की बेटी मुक्ति शाहदेव ने बताया कि पिछले तीन सौ वर्षों से चले आ रहे नियमों पर ही आज भी भगवान जगन्नाथ की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा रथ यात्रा के एक दिन पहले यानी गुरुवार को भगवान जगन्नाथ के नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की गई। जिसके बाद शुक्रवार को सुबह सुबह भगवान की आरती हुई। जिसके बाद शाम में निर्धारित समय पर रथ यात्रा निकली गई। भगवान जगन्नाथ को शुक्रवार को सुबह सूजी का हलवा का भाग चढ़ाया गया वहीं दोपहर में दाल, भात सब्जी चढ़ाई गई। रात्रि भोजन में चावल का छिलका और चीनी का भोग लगाया गया। मुक्ति शाहदेव ने बताया पूजा के वक्त हजारों लोग रथ के पास जमीन पर बैठ कर एक लाख विष्णु लक्ष्म्य अर्चना यानी सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान किया गया। जिसके बाद भगवान जगन्नाथ के जनदर्शन किया गया। आने वाले दस दिनों तक भगवान जगन्नाथ की विधि के अनुसार पूजा अर्चना कर बात जन आशीर्वाद लेंगे।





श्रद्धा और भक्ति के साथ चनकोपी और ईटाचिल्दरी में रथ यात्रा का आयोजन

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के ईटाचिल्दरी और चनकोपी रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जन समुद्र उमड़ पड़ा। हजारों लोगों ने ईटाचिल्दरी तथा चनकोपी के जगन्नाथ स्वामी मंदिर से भगवान जगन्नाथ स्वामी सहित बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथ में बैठाकर पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ आस्था के डोर को पकड़कर भगवान के तीनों विग्रहों को मौसीबाड़ी पहुंचाया। इस दौरान जगन्नाथ स्वामी के जयकारे से पूरा मेला परिसर गुंजायमान हो उठा। चनकोपी में जहां भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेड़ो थाना के एसआई अशोष रंजन दलबल मेला परिसर में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रथयात्रा मेले के आयोजन में जगन्नाथ मंदिर के पुजारी कालिंद्र मिश्रा, पुरोहित बालमुकुंद मिश्रा, रामवृक्ष मिश्रा, पहान सुकरा पहान, पुजार अंगन उरांव, रोजा उरांव, आयोजक लाल संजय नाथ शाहदेव, सतीश शाहदेव, शशिकांत शाहदेव, सुजीत शाहदेव, सचिदानंद शाहदेव, संदीप शाहदेव, अरविंद शाहदेव, प्रिंस शाहदेव, नवीन शाहदेव, प्रभात शाहदेव, प्रशांत शाहदेव, बाल मोहन महतो, मनमोहन महतो, रामवृक्ष महतो, कांशी महतो, जुगल गोप, ध्रुव सिंह, मुस्तकीम अंसारी सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं ईटाचिल्दरी रथयात्रा के दौरान मुख्य पुजारी सत्यनारायण पाठक, ईटाचिल्दरी रथयात्रा आयोजन समिति के संरक्षक पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, अध्यक्ष लाल नवल किशोर नाथ शाहदेव, उपाध्यक्ष मणी साहु, सचिव सह कोषाध्यक्ष लाल सेवक नाथ शाहदेव के साथ साथ लाल सुमन नाथ शाहदेव, लाल कमलेश नाथ शाहदेव, लाल शिवनाथ शाहदेव, लाल प्रमोद शाहदेव, कलेश्वर सिंह, कलिनंद्र सिंह, रमेश गोप, सतीश गोप, लाल अखिलेश, लाल राजेन्द्र कुमार, लाल मिथिलेश शाहदेव लाल विक्रम शाहदेव, सिकंदर सिंह, लाल संजय नाथ शाहदेव, लाल सत्यप्रकाश नाथ शाहदेव सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



बच्चों ने निकाली रथ यात्रा

सिल्ली। रिटायरमेंट कालोनी में रथयात्रा को लेकर सुबह से ही गहमागहमी का माहौल था। कॉलोनी के नन्हे बच्चों ने छोटे स्तर पर ही लेकिन बड़े ही सुन्दर ढंग से फूलों और छतरी से सुसज्जित रथयात्रा निकाली। बच्चों ने रथ को खींचते हुए छोटा मुरी स्थित दुर्गा बाड़ी और राधा कृष्ण मंदिर तक ले गए। जहां उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया। तत्पश्चात रथ को खींचते हुए पुरा रिटायरमेंट कालोनी का भ्रमण कराया गया। इस दौरान साथ चल रहे कालोनी के महिला पुरुष द्वारा जय जगन्नाथ के खूब नारे लगाए। महिलाओं ने लगातार शंख एवं घंटा बजा कर बच्चों का हौसला बढ़ाया। अंत में प्रभु को कॉलोनी स्थित शिवशक्ति मन्दिर (मौसी बाड़ी) पहुंचाया गया। जहां महिलाओं द्वारा विधिवत पूजा अर्चना किया गया। तत्पश्चात प्रसाद का वितरण भी किया गया। भगवान् जगन्नाथ मौसी बाड़ी में नौ दिन विश्राम करेंगे। इन बच्चों के इस भक्ति पूर्ण रथयात्रा आयोजन में अपना सहयोग देकर सफल बनाने में अनिमा विश्वास, पम्पा राय, तापसी नाथ, बानी सेन,दिव्या घोष, पूजा प्रसाद, रूपा दास, आशा, सुभाष विश्वास, रतन लाल गुप्ता, शान्तनु, अमृत लाल आदि का सराहनीय योगदान रहा।



मुरी व सिल्ली में निकाली गई रथ यात्रा

सिल्ली। सिल्ली राजाबाड़ी, मुरी टुंगरी पार्क एवं पहली बार हिंडालको परिसर से ऐतिहासिक रथ यात्रा निकाली गई। वहीं राजा बाड़ी में पुजारी भास्कर मुखर्जी के द्वारा भगवान जगन्नाथ की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। रथ यात्रा राजाबाड़ी परिसर से थाना चौक होते हुए मौसीबाड़ी तक गई। रथ यात्रा एक ऐसा पर्व है जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं, अपने रथ पर सवार होकर सड़कों पर चलकर हजारों लाखों श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं। रथ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि यह भावनात्मक जुड़ाव,सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक एकता का अद्भुत उदाहरण है।इस अवसर पर रथ यात्रा के संरक्षक राजा पुणेंद्र नाथ सिंह देव ,संजीत सिंह देव, बिल्टू दत्ता,सुशील दे, विष्णु दत्ता,सुभाष लाहा,सरोज सिंह,अमित लाहा,गणेश चौधरी समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। साथ ही साथ मुरी टुंगरी पार्क में पुजारी के द्वारा पूजा कर ग्रामीणों के द्वारा रथ को खींचते हुए मुरी टुंगरी पार्क घुमाया गया और जगन्नाथ बाबा के नारे लगाते हुए रथ को रखा गया।



इटकी में निकाली गई रथ यात्रा

इटकी। इटकी के मुख्य जगन्नाथ मंदिर से शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। मंदिर से मौसीबाड़ी तक निकाली गई इस यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर का पट सुबह ही श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया था, जिसके बाद दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अपराहन करीब पांच बजे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को पारंपरिक रीति-रिवाज से रथ पर आरूढ़ किया गया। महाभारती के बाद लगभग साढ़े पांच बजे रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ रथ को रस्सियों से खींचते हुए मौसीबाड़ी मंदिर तक पहुंचाया। रथ के सारथी सचिन महतो बने थे। रथ पर पुजारी सुंदर श्याम तिवारी, लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, लाल गौरव नाथ शाहदेव, लाल अश्विनी नाथ शाहदेव, लाल आशीष नाथ शाहदेव, कल्पना नाथ शाहदेव, प्रतिभा नाथ शाहदेव सवार थे। रथ यात्रा में कमेश बर्मन, अजीत केसरी, विनोद सिन्हा, राजकुमार तिवारी, शिशु गोप, विजय साही, सूरज गोसाईं, अंकित, नितिन कुमार, अर्पण ठाकुर, अजय, श्याम कुमार, तपेश्वर, अनिल तिवारी, अल्पम, देवेन्द्र महतो, पंचम महतो सहित सैकड़ों लोग शामिल थे। मौके पर लेगे मेला में झुला के अलावा मिठाई, खिलौना, महिला सौंदर्य प्रसाधन, चाट- फुचका सहित अन्य की दुकानो की भरमार थी। जहाँ लोगों ने खरीदारी की व मेला का आनंद उठाया।

मंत्री ने भगवान जगन्नाथ का खींचा रथ

नवीन खेल संवाददाता

लापुंग। लापुंग के लेटे गांव स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक जगन्नाथ स्वामी मंदिर प्रांगण से मंत्री बनने के बाद पहली बार झारखंड की कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिवारी ने भगवान के रथ को श्रद्धा की डोर से खींचा और मौसीबाड़ी पहुंचाया। साथ-साथ उन्होंने रथ की विधिवत परिक्रमा किया और मंत्री शिल्पी नेहा तिवारी ने प्राचीन मंदिर में सबसे पहले पूजा अर्चना की। लापुंग के प्रसिद्ध लेटे स्थित जगन्नाथ स्वामी मंदिर परिसर में विशाल एवं भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया। राज्य की कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिवारी इस रथ यात्रा में शामिल हुई और लोगों को रथयात्रा की शुभकामनाएं दी। प्रभु जगन्नाथ के जयकारा के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रथयात्रा में हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रभु के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था देखने लायक रही। मंत्री शिल्पी नेहा तिवारी ने प्राचीन मंदिर में सबसे पहले पूजा अर्चना की फिर पवित्र रस्सी खींच कर रथ यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रभु जगन्नाथ स्वामी बहन सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र की शरण में समाज की समृद्धि , खुशहाली और सफलता की कामना की । उन्होंने कहा कि हर साल आज के दिन ये वृहद आयोजन होता है । श्रद्धालु प्रभु जगन्नाथ का रथ खींचने के लिए दूर _ दूर से यहां आते है। हर किसी की इच्छा रस्सी खींचने की होती है । ये उनका प्रभु जगन्नाथ के प्रति असीम आस्था का प्रतीक है। मंत्री शिल्पी नेहा तिवारी ने कहा कि रथयात्रा पथ को दुरुस्त करने के लिए सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है । आधी दूरी तक सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है,जबकि बचे हुए कार्य को भी बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा। इसके पूर्व मुख्य पुजारी सीताराम पाठक की देखरेख में हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा अर्चना की और पूर्व जमींदार के वंशज विजय कुमार लाल,दुर्जन कुमार लाल, धनंजय कुमार लाल सहित अजय कुमार लाल क्या नेतृत्व में रथ यात्रा अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व जमींदार के वंशज विजय कुमार लाल, दुर्जन कुमार लाल, दुर्जन कुमार लाल, धनंजय कुमार लाल, अजय कुमार लाल, राजेश्वरी देवी, अनिता देवी, रोहित लाल, मोनू लाल, सोनू लाल, सुष्टि चित्रा, अभिषेक कुमार लाल, कांभ्रस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला, विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली, युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जन्मेजय पाठक सहित दर्जनों विशिष्ट लोगों ने रथयात्रा में हिस्सा लिया।



कबड्डी प्रतियोगिता में दून वारियर्स बने चैंपियन



नवीन खेल संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस के उपलक्ष में धनबाद जिला ओलम्पिक संघ द्वारा आयोजित सप्ताह -व्यापी खेल कार्यक्रम के तहत आज कबड्डी की प्रतियोगिता कुसुम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल में संपन्न हुई. इस प्रतियोगिता के फाइनल स्पर्धा में दून वारियर्स की

टीम ने 32 - 26 अंक से धनबाद कैपिटल की टीम को पराजित करते हुए ओलम्पिक दिवस ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया. आदित्य झा तथा दिव्यांशु किशोर ने रेड में अगुवाई करते हुए मध्यांतर तक दून वारियर्स की 20 - 19 से बढ़त दिलाया. डिफेंडर सूरज साव और आदित्य पांडे ने मैच के दौरान बेहतर प्रदर्शन किया।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर वॉलीबॉल मैच का आयोजन

नवीन खेल संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर झारखंड वॉलीबॉल संघ के द्वारा रांची के ऑक्सीजन पार्क, मोराबादी में एक भव्य वॉलीबॉल प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया गया। इस मैच में बंगाली वॉलीबॉल क्लब और ऑक्सीजन पार्क टीम के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसे बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक देखा। कार्यक्रम



का शुभारंभ झारखंड वॉलीबॉल संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा

कराटेक्यों के लिए बेल्ट ग्रेडेशन का आयोजन

रांची। थड़पखना स्थित यूनिन क्लब में शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में यूनिन क्लब के कराटेक्यों के लिए बेल्ट ग्रेडेशन का आयोजन किया गया। बेल्ट ग्रेडेशन शोकफ के मुख्य टेक्निकल डायरेक्टर हंसी मानस सिन्हा द्वारा किया गया। साथ ही साथ हंसी मानस सिन्हा द्वारा जीवन में कराटे के महत्व के बारे में बताया गया। इस ग्रेडेशन में अच्छे प्रदर्शन करने वालो को यूनिन क्लब के पदाधिकारियों भास्कर गुप्ता, राम चटर्जी, सुभित बोस, तरुण कुण्डू द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

प्रमुख अतिथियों के कर-कमलों से किया गया। श्री शिवेंद्र कुमार सिंह जिला खेल पदाधिकारी डॉ रितुराज , प्रोजेक्ट पदाधिकारी , झारखंड ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष, शिवेंद्र दुबे, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में श्री उत्तम राज, श्री संजय कुमार , श्री संजय ठाकुर, विकास वर्मा, उपेंद्र कुमार सिंह, विश्वनाथ सिंह, विश्वजीत नंदी, अजय किस्पोट्टा सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सर्पदंश से छठी कक्षा के छात्र की मौत

● मृत पोता को देख दादी का हुआ हार्ट अटैक र्स निधन

नवीन खेल संवाददाता

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के महगांव पंचायत के अन्तर्गत जमाकेल गांव में विगत रात्रि लगभग 9 बजे एक जहरीले सांप ने छठी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र को काट लिया । सांप काटने के बाद 12 वर्षीय बच्चा अनेकते होरो उर्फ अंधोनी होरो (पिता अमित होरो) को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लापुंग लाया गया। जहां 8 अलग-अलग



फाइनल फोटो

प्रकार के एंटी वेनम इन्जेक्शन दी गई। लेकिन इसके बावजूद बच्चे का हालत में सुधार नहीं होने के कारण चिकित्सक द्वारा रिस्स रेफर किया गया, इसी बीच बच्चे की मौत हो गई । मृत बच्चा को देखकर बच्चे की दादी का भी हार्टअटैक हो गया । एक घर में दो लोगों का मृत्यु होने पर पुरे गांव में शोक का माहौल है। बच्चे का मां और पिता दोनों बाहर मजदूरी करने गए हैं । घर में इनका आर्थिक स्थिति बहुत खराब है,ये लोग जमीन में ही रात को सो रहे थे। इधर घटना की जानकारी मिलने पर मुखिया मेरी होरो, विधायक प्रतिनिधि सह युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जन्मेजय पाठक व कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष जयंत बारला सहित कई लोगों ने घटना पर दुःख जाहिर किया है। बाद में दोनों के शवों का रिस्स भेजकर पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद देर शाम जमाकेल गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालक व बालिका कबड्डी प्रतियोगिता

32 सदस्यीय झारखंड की टीम पहुंची हरिद्वार

नवीन खेल संवाददाता

रांची। हरिद्वार में 28 जून से 01 जुलाई 2025 तक आयोजित प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता के लिए 32 सदस्यीय झारखण्ड बालक एवं बालिका कबड्डी टीम हायड्रा - देहदरदून एक्सप्रेस से शुक्रवार को अहले सुहाद हरिद्वार पहुंच चुकी है। उक्त आशय की जानकारी कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने दी। अध्यक्ष श्री ठाकुर ने बताया कि इस राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग में देवघर के



रितिक कुमार सिंह एवं बालिका वर्ग में धनबाद की नमिता कुमारी को कप्तान बनाकर टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेवारी दी गई है। इससे पूर्व कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड की ओर से चैनरमन बिपिन कुमार सिंह के द्वारा धनबाद स्टेशन पर बुधवार को टीम को पूरी किट (जर्सी, शॉर्ट्स, टी - शर्ट्स,

मैट शू एवं ट्रैक सूट) देकर शुभकामनाएं दी गईं । शुभकामना एवं बधाई देने वालों में महासचिव मुकेश कुमार सिंह, अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक तेज नारायण प्रसाद माधव, आलोक कुमार, आशा कुमारी, हैदर हुसैन, राखी कुमारी, सुनीता कुमारी, प्रद्युम्न पांडेय, राहुल कुमार, रितेश सिंह, सीता राम आदि शामिल है।



भगवान को मौसीबाड़ी पहुंचाया



न्यूज बॉक्स

ग्रामीणों के बीच करंज व जामुन के पौधे बांटे गए



ठाकुरगांव। रामकृष्ण मिशन व दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र मोरहाबादी के सौजन्य से शुक्रवार को बुढ़मू प्रखंड के खखरा व खरकुटौली गांव में करंज व जामुन के पौधों का वितरण किया गया। वितरण प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण मुंडा,स्वामी सुखमयानंद जी महाराज व मुखिया कुशेन्द्र पाहन ने किया। इस अवसर पर 50 ग्रामीणों के बीच करंज पौधा, 10 किसानों के बीच जामुन पौधा व 60 किसानों के बीच आम पौधा का वितरण किया गया। मौके पर कामेश्वर महतो,बाबुलाल महतो,सोनालाल महतो समेत अन्य मौजूद थे।

नगड़ी टोल प्लाजा पर कड़ी सुरक्षा के बीच वाहनों से टैक्स वसूली शुरू

इटकी। नगड़ी के चौली पतरा स्थित टोल प्लाजा पर शुक्रवार को कंपनी ने कड़ी सुरक्षा के बीच वाहनों से टैक्स वसूली शुरू कर दी है। पिछले 23 जून से मुआवजा की मांग को लेकर ग्रामीणों ने टोल प्लाजा को बंद कर रखा था। इन चार दिनों टोल प्लाजा बंद रहने से कंपनी को लगभग 10 लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। ज्ञात हो कि 23 जून को सैकड़ों ग्रामीणों ने टोल प्लाजा के पास प्रदर्शन कर रांची-गुमला मुख्य मार्ग को साढ़े 10 घंटे तक जाम कर रखा था। आंदोलनकारी चार फरवरी को टोल प्लाजा हाई मास्ट लाइट के टावर से दबकर मारे गए तीन मृतकों और चार घायलों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि टोल वसूली एनएचआई के अधिकारियों के निर्देश पर शुरू किया गया है। सुरक्षा की दृष्टिकोण से नगड़ी थाना के एसआई, महिला-पुरुष पुलिस बल और इटकी प्रखंड के बीपीआरओ नियुक्त किए गए थे।

मानव जीवन यात्रा को दिखाएगा चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति



रांची। आपाड़ शुक्ल द्वितीया रथ यात्रा के अवसर पर शुक्रवार को रांची के मेन रोड स्थित चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति ने पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के संस्थापक सदस्य अध्यक्ष रमेश सिंह सहित कई अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल इस बार फिर से नयी थीम पर आधारित होगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सांस्कृतिक संस्था का आयोजन नवरात्र के दौरान किया जायेगा। साथ ही पूजा के दौरान सुरक्षा के खास इंतजाम किए जाएंगे। थीम आधारित लाईटिंग भी मां भवानी के भक्तों को खास तौर पर आकर्षित करेगी। भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष ने बताया कि मानव जीवन भ्रूण से लेकर अस्थि संश्लेषण तक का प्रारूप चित्रण पूजा पंडाल में प्रदर्शित की जाएगी। समिति की ओर से विगत कई वर्षों से सनातन संस्कृति को वर्तमान

तोरपा के रथ मेला में डालसा ने लगाया जागरूकता शिविर

खूंदी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली झालसा रांची के निर्देश पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में रथ यात्रा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को तोरपा प्रखंड के जगन्नाथपुर मंदिर प्रांगण में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता अभियान में मेला में उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क अधिवक्ता, बच्चों से जुड़े अधिकार, पुलिस से जुड़े महिलाओं के अधिकार और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे जानकारी दी गई।

रथयात्रा में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग। लोकसभा क्षेत्र के बरही विधानसभा क्षेत्रांतर्गत चौपारण प्रखंड स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर बैजनाथ नगर, सियरकोनी में लगاتार तीसरे साल तीसरी पहली बार श्री रथयात्रा महामहोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस श्री रथयात्रा महामहोत्सव के भव्य आगाज के अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल बतौर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बरकट्टा विधायक अमित कुमार यादव, चतरा जपि उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। रथ की रस्सी खींचते हुए भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की चौपारण में जीटी रोड पर प्रचंड गर्मी में भी आस्था का जो जनसैलाब उमड़ा वह अभूतपूर्व, ऐतिहासिक और अद्भुत है। उन्होंने कहा की भारत के प्राचीन संस्कृति की जीवंत झलक यहाँ दिखी। उन्होंने यह भी कहा की वाकई हमारा देश और समाज बदल रहा है। इस महामहोत्सव के आगाज में धार्मिक आस्था का जनसैलाब ईश्वर भक्ति से सराबोर दिखा। हरे कृष्णा हरे राम, जय श्री राम के साथ जय जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र पूरा क्षेत्र गुंजायमान दिखा।

हजारीबाग सांसद ने टेका माथा, क्षेत्र की खुशहाली की कामना की

शुक्रवार को हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत सदर प्रखंड के सिलवार पंचायत स्थित सिलवार जगन्नाथ धाम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रथ द्वितीय के अवसर पर भव्य रथ- यात्रा मेला का आयोजन हुआ। यहाँ वर्ष 1952 में एक खपरेल मंदिर से भगवान जगन्नाथ की पूजा- अर्चना कुछ स्थानीय लोगों ने मिलकर शुरू की थी जो आज वृहत रूप ले चुका है। यहाँ स्थापित भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की प्रतिमा ओडिशा के पुरी से लायी गयी है। हरे- भरे पहाड़ियों की श्रृंखलाओं के बीच अवस्थित इस स्थल में वर्तमान समय में एक भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है। मंदिर परिसर की खुबसूरती से आकर्षित होकर और यहाँ आयोजित धार्मिक रथ मेला में सम्मिलित होने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से श्रधालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। धार्मिक मान्यता के अनुरूप विधिवत पूजा- अर्चना के उपरांत सिलवार मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग रथ पर सवार होकर केशुग पहाड़ी स्थित मौसीबाड़ी पहुंचेंगे। इस दौरान श्रधालुओं के साथ दोपहर में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने भी यहाँ पहुंचकर ईश्वर की पूजा- अर्चना की और रथ की प्रणाम कर क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता, संघ के तारकांत शुक्ल, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्णा मेहता, आनेश्वर प्रसाद, अभय सिंह, राजेश साव, बीपी प्रसाद, भगीरथ प्रसाद, नुनलाल भुज्या, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सांसद- विधायक सहित कई गणमान्य हुए शामिल, रथ खींचकर भगवान से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की

॥ जय जगन्नाथ ॥



इस्कॉन संस्था एवं ग्रामीणों के सहयोग निकल गई भव्य रथयात्रा

● हजारों की संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्टा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गैड़ा में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। इस्कॉन संस्था एवम ग्रामीणों के सहयोग से रथ यात्रा चुगलामो मिडिल स्कूल से प्रारम्भ हो कर तुर्कबाद चौक, गैड़ा काली मंडा चौक , झारखंडी चौक होते हुए गैड़ा इस्कॉन सेंटर में समाप्त हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बरकट्टा विधायक अमित कुमार यादव एवम विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्या कुमकुम देवी ने भगवान जगन्नाथ की आरती कर रथ यात्रा का प्रारंभ किया। मौके पर विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि रथ यात्रा इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। कई सालों से गैड़ा के ग्रामीणों द्वारा रथयात्रा निकाली जा रही हैं जो पुरे सनातन धर्म के लिए गर्व का विषय है। आने वाले समय में इस रथयात्रा का और विस्तार होगा। इससे पूरा बरकट्टा प्रखंड लाभान्वित होगा। रथ यात्रा में बच्चे, बूढ़े, महिला एवं युवाओं ने बड़ चढ़कर भाग लिया। सभी ने जय जगन्नाथ और हरे कृष्णा और हरे राम का जमकर नारा लगाया। विदित हो कि गैड़ा गांव में प्रत्येक वर्ष भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भैया बलराम की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। वहीं



आज रात्रि इस्कॉन सेंटर गैड़ा में प्रकाश प्रभु द्वारा भागवत कथा किया जाएगा तत्पश्चात इस्कॉन संस्था की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद का वितरण किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस अवसर पर जिला परिषद प्रतिनिधि यमुना साव, सुरेंद्र मोदी, मुकेश कुमार राय, सहायक प्राध्यापक विवेक कुमार राय, सुमंत पांडेय, गैड़ा मुखिया प्रतिनिधि श्याम साव, चुगलामो मुखिया प्रतिनिधि मनोज यादव, प्रकाश चौधरी, तुलसी चौधरी समेत हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

विधिक जागरूकता अभियान के तहत निकाली गई जागरूकता रैली



बरही। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से प्राथमिक विद्यालय गौ में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सड़क दुर्घटना, मानव तस्करी, बाल संरक्षण अधिनियम व साईंरफ क्राइम के बारे में जागरूक किया गया। लोगों को इसके बचाव और दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को कानूनी सहायता लेने के बारे में जानकारी दी गई। अभियान के दौरान लोगों को अपनी समस्याओं को पंचायत स्तर पर नियुक्त पारा लीगल वालंटियर को देने की बात कही गई। जो जनता की समस्या को सिविल कोर्ट के न्याय सदन भवन में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय तक पहुंचाने का काम करेगे, जहां छोटे मोटे मुकदमों को आपसी सलाह के बाद पूर्ण रूपेण निपटारा कराया जा सकता है। इसके फैसले को किसी भी अपील नहीं किया जाता हैं। अंत में जागरूकता रैली निकाल कर ग्रामीणों को विधिक जागरूकता संबंधित जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के संचालन में गौरिया करमा पंचायत के पीपलबी सोनूल कुमार वर्मा, राजदेव कुमार यादव आदि ने महती सहित स्कूली बच्चों ने सार्थक भूमिका निभाई। इस जागरूकता शिविर में कई महिलाएं भी शामिल होकर कानूनी जानकारी प्राप्त किया. कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना के निर्देश पर आयोजित की गई थी।

उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की डीसी ने की समीक्षा

● अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए जांच अभियान आदि की जानकारी सहायक आयुक्त उत्पादन से ली गई

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की गुरुवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने अपने कार्यालय कक्ष में समीक्षा की। इस दौरान सर्वप्रथम सहायक आयुक्त उत्पाद विमला लकड़ा के द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य को उत्पाद कार्यालय रामगढ़ में कार्यरत बल आदि की जानकारी दी गई



जिसके उपरांत उपायुक्त ने उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सहायक आयुक्त उत्पाद को

रामगढ़ जिला अंतर्गत किसी भी शराब दुकान में एमआरपी से अधिक शराब बिक्री न होने देने का निर्देश दिया। इसके लिए उन्होंने नियमित रूप से जांच

अभियान चलाने एवं आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए जांच अभियान आदि की जानकारी सहायक आयुक्त उत्पादन से ली गई एवं नियमित रूप से अवैध शराब के विरुद्ध जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा नई उत्पाद नीति के तहत किए जा रहे कार्यों एवं आगे किए जाने वाले कार्यों की जानकारी लेते हुए इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, पुलिस उपाध्यक्ष मुख्यालय चंदन कुमार, अवर निरीक्षक उत्पाद अमित मड़की सहित अन्य उपस्थित थे।



शारीरिक शक्ति, व्याधि क्षमत्व और प्रतिरोधक क्षमता विकास के लिए बच्चों को सुवर्णप्राशन की प्रथम खुराक दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, भारत माता पूजन एवं माता सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्राचार्य शमैंद्र कुमार साहू ने करवाया। कार्यक्रम में प्रस्तावना रखते हुए विभाग प्रमुख ओमप्रकाश सिन्हा ने कहा कि शिशु के समग्र विकास और स्वस्थ रखने के लिए उसको सुवर्णप्राशन पिलाने की योजना है। आगे उन्होंने कहा कि यह सुवर्ण प्राशन हमारे देश का एक भारतीय टीकाकरण है, आज से हजारों वर्ष

पूर्व हमारे पूर्वज इसका सेवन अपने बच्चों के विकास के लिए करते थे इसलिए ये एक कल्याणकारी एवं मंगलमय कार्य है। स्वर्णप्राशन खुराक से बच्चे का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास संभव है मौके पर उपाध्यक्ष डॉ अमिता कुमारी ने कहा इससे शिशु का समग्र विकास होता है। सचिव ने कहा स्वर्णप्राशन खुराक के प्रयोग से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास संभव है कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के वाटिका खंड के आचार्य बंधु - भगिनी अंजली मेहता, राहुल पासवान, रवि रंजन, नरेंद्र कुमार सिन्हा आदि ने अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।

डॉ अग्रवाल गली की नाली व बद्बू से राहगीर सहित विद्यार्थी परेशान



नवीन मेल संवाददाता

बरही। ओल्ड जीटी रोड बाजार स्थित मस्तिष्क से एनएच 33 तक जाने वाला बरही का व्यस्ततम डॉ अग्रवाल गली पूरी तरह बीमार है. गली से गुजरने वाला हर एक राहगीर जनप्रतिनिधि और प्रशासन को कोसता नजर आता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग में लगभग 12 महीने नाली का पानी बहता है। नाली पूरी तरह से भरे हुए है. बरखात की दिनों में तो इस मार्ग से गुजरना दुर्लभ हो जाता है. सबसे

मुखिया प्रतिनिधि ने कहा : इस संबंध में पंचायत के पूर्व मुखिया और वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर ने बताया कि गली का शीघ्र ही आर्इओ द्वारा जीपीओ द्वारा किया जाएगा।

बदतर स्थिति प्रखंड परिसर स्थित प्राथमिक विद्यालय के समीप की है. जहां बाजार की ओर से आने वाली गली की नाली पूरी तरह जाम है. नाली का पानी गली मार्ग से होते हुए मंदिर परिसर स्थित स्कूल के समीप तक आ जाता है।

ज्ञान ज्योति कॉलेज ने सिलवार पहाड़ी पर लगाया मेडिकल कैप

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ फार्मेसी, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग के विद्यार्थियों ने आज जगन्नाथ मंदिर, सिलवार में एक मेडिकल कैप का आयोजन किया। यह कैप रथ द्वितीया के अवसर पर आयोजित मेले में भाग लेने आए श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा और स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य भीड़-भाड़ वाले माहौल में किसी भी आकस्मिक स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध करना था। साथ ही, लोगों को संभावित आगामी बीमारियों से जागरूक करना और समय पर स्वास्थ्य जांच (स्क्रीनिंग) के महत्व को समझाना भी इस कार्यक्रम का अहम हिस्सा रहा।

कॉलेज के सचिव बिनय कुमार ने कहा

“हम इस प्रकार के सेवाभावी कार्यों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखेंगे। हमारा उद्देश्य केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों की सेवा करना भी हमारी प्राथमिकता है।” हर वर्ष की तरह इस बार भी कॉलेज के छात्रों ने इस सेवा कार्य में पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। विशेष रूप से पैरामेडिकल विभाग के विद्यार्थियों ने अपने प्रशिक्षण और सेवा भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस कैप की सफलता में असलम जावेद, अनिता कुमारी, रंजीत कुमार, साहिल कुमार एवं एम.डी. अरसद अंसारी।

किसानों के बीच किया गया बीज का वितरण



बरकट्टा। प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि तकनीकी सूचना भवन में किसानों के बीच 140 किग्रा मक्का, 270 किग्रा धान और 544 किग्रा महुवा बीज का वितरण किया गया। उक्त जानकारी बीटीएम चिंताहरण पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि आत्मा हजारीबाग द्वारा प्रदत्त बीज विहरण कार्यक्रम बीडीओ रोश्मा डुंगडुंग कि अध्यक्षता में हुई। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख रेणु देवी, उप प्रमुख सुरजो देवी, सहित बीएओ अशोक ठाकुर शामिल हुए. कार्यक्रम का संचालन बीटीएम ने किया। इस कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न पंचायत के दर्जनों किसान मौजूद थे। जिन्हें किसान मित्र उत्तीम महतो, बैजनाथ प्रसाद, बिनेद कुमार, रूबी कुमारी, किशोर कुमार, रिकू कुमारी के नेतृत्व मे क्लस्टर चयन प्रक्रिया के तहत वरीयता के आधार पर किसानों को बीज उपलब्ध करवाए गए। साथ ही किसानों को उत्तम पैदावार के लिए श्री विधि से धान, लाइन सौंदग विधि से मक्का और महुवा लगाने की बात कही गई।

पुलिस की मिलीभगत से धड़ल्ले से गुजर रही मछली लदी गाड़ियां



नवीन मेल संवाददाता

बरकट्टा। कोलकाता से बिहार की ओर जाने वाली मछली लदी गाड़ियां इन दिनों जीटी रोड पर बेधड़क चल रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन वाहनों को पुलिस की मिलीभगत से बेरोक-टोक पास कराया जा रहा है। लोगों के अनुसार जीटी रोड पर नियमित रूप से पुलिस की गश्ती टीम तैनात रहती है, लेकिन इनका मकसद सुरक्षा नहीं, बल्कि अवैध वसूली है। एक सप्ताह पूर्व एक बस पलट गई थी, जिसमें यात्रियों से अधिक मछली लदी थी। इस दुर्घटना की प्राथमिकी तो दर्ज की गई, लेकिन उसमें मछली की कोई चर्चा तक नहीं की गई। लोगों के अनुसार इससे यह साफ झलकता है कि पुलिस और मछली

थाना प्रभारी ने कहा:- आरोप बेबुनियाद

व्यापारियों के बीच गहरी सेंटिंग है। इतना ही नहीं, पुलिस की पीसीआर वैन और सेंटिध मछली वाहन एक साथ देखा जाना, यह वीडियो अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में थाना प्रभारी सोनू कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि यह आरोप बेबुनियाद है इस प्रकार की कोई भी बात नहीं हुई है। इस तस्वीर की पुष्टि राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक अखबार नहीं करता है।

सिमडेगा के तामड़ा गांव में धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

भगवान का रथ खींचने उमड़े श्रद्धालु मेला बना आकर्षण

● 1835 से चली आ रही यह परंपरा आज भी गांव की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक बनी हुई है

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सदर प्रखंड अंतर्गत तामड़ा गांव में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पूरे धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। गांव में “हरि बोल” और “जय जगन्नाथ” के जय घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जहां पर पुजारी जितेंद्र पुरी उनके पुत्र निरंजन पुरी एवं नीतीश पुरी उपस्थित रहे। वही शंखनाद के साथ पूरे क्षेत्र का माहौल भक्ति



में बना दिया। इस अवसर पर पारंपरिक तरीके से रथ को सजाया गया था और बड़ी संख्या

में श्रद्धालुओं ने रथ को खींचा। बताया गया कि तामड़ा गांव में यह रथ यात्रा वर्ष 1835

से लगातार आयोजित होती आ रही है। रथ यात्रा के साथ-साथ गांव में एक भव्य मेले का

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में दिखी छत्तीसगढ़-झारखंड की एकता

नवीन मेल संवाददाता

कुरुडेग। प्रखंड अंतर्गत कुटमाकच्छार ग्राम में शुक्रवार को श्री जगन्नाथ महाप्रभु की ऐतिहासिक गुंडीचा रथ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और परंपरा के साथ सम्पन्न हुई। नेत्रोत्सव के अगले दिन निकाली गई इस रथ में भगवान श्री जगन्नाथ अपने भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर मंदिर से मौसीबाड़ी तक गए। भक्तों ने पारंपरिक गाजे-बाजे और जय जगन्नाथ के गगनभेदी नारों के बीच भगवान के रथ को खींचा। अगले नौ दिनों तक भगवान मौसीबाड़ी में भक्तों को दर्शन देंगे, इस दौरान मुख्य मंदिर का कपाट बंद रहेगा। कुटमाकच्छार का यह मंदिर बिरुगढ़ थाना के शौर्य और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। झारखंड और छत्तीसगढ़ की सीमा पर बसे इस गांव में केवल कुरुडेग ही नहीं,



बल्कि छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथ यात्रा में शामिल हुए। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बिरुगढ़ के युवराज कौशलराज सिंहदेव यजमान के रूप में उपस्थित रहे। उनकी देखरेख में और समस्त ग्रामीणों के सहयोग से रथ यात्रा उत्साहपूर्वक और भव्यता के साथ सम्पन्न हुई। पुरोहित दिनेश तिवारी द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा-अनुष्ठान सम्पन्न कराया गया। मौसीबाड़ी में मेले का आयोजन भी किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने पूजन, आरती और दर्शन के साथ मेले का आनंद लिया। रथ यात्रा की सफलता में प्रशासन की भूमिका सराहनीय रही। युवराज कौशलराज सिंहदेव ने प्रशासन और सभी ग्रामीणों को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए, भगवान से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

भगवान जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथ यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड की भंवर पहाड़गढ़ स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर परिसर से भव्य आषाढ़ रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रथ यात्रा की अगुवाई ओहदार रण बहादुर सिंह के वंशजों के द्वारा किया गया। विदित हो कि कोलेबिरा प्रखंड के भंवर पहाड़गढ़ में आज से सैकड़ों वर्ष पूर्व से भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा निकाली जा रही है। रथयात्रा का शुभारंभ ओहदार रण बहादुर सिंह के वंशजों के द्वारा किया गया था जिसको आज भी उनके वंशजों एवं स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा निभाई जा रही है। रथयात्रा का शुभारंभ भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर भंवर पहाड़गढ़ से प्रारंभ होकर थाना मोड़, कोलेबिरा मुख्य पथ, मार्केट कंपलेक्स होते हुए कोलेबिरा पुराना बाजार स्थित मौसी बारी परिसर पर आकर संपन्न हुई। श्रद्धालुओं के द्वारा हरि बोल जय जगन्नाथ स्वामी आदि



नारे लगा कर रात खींचा जा रहा था। हजारों की संख्या में लोगों ने खींचकर मौसी बारी परिसर पर लाया। मौसी बारी में भगवान जगन्नाथ स्वामी, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के व विग्रह को पुरोहित पुरोहित चितामणि पती पुरोहित मनोज पति के द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ 9 दिनों तक के लिए स्थापित किया गया। 9 दिनों तक मौसी भारी परिसर में प्रतिदिन संध्या को भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। रथ यात्रा को लेकर कोलेबिरा में 9 दिनों तक मेला का आयोजन किया जाता है। मेला में तरह-तरह की मिठाइयां, खिलौने के साथ-साथ खेल तमाशा आए हुए हैं। रथ यात्रा के सफल

संचालन करने में अमरनाथ सिंह, तपेश्वर सिंह, दिलेश्वर सिंह, सुरेश सिंह, गौरी प्रसाद सिंह, अभिमन्यु सिंह, गोपाल सिंह, वंशीधर सिंह, जनेश्वर बिल्हारी आदि लोगों के द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। वही रथ यात्रा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो के दौरान किसी प्रकार की कोई अग्रिय घटना ना घटे लोगों के बीच शांति बहाल बनी रहे। इसे देखते हुए कोलेबिरा थाना प्रभारी शशि शंकर सिंह, अंचला अधिकारी अनूप कछप एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो के अलावे पुलिस बल के जवान पूरी तरह मुस्ताते देखे गए। कोलेबिरा पुलिस के द्वारा रथ यात्रा एवं मेला स्थल में सुरक्षा के चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी।

बरसलोया गांव में धूमधाम के साथ निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथयात्रा

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखण्ड क्षेत्र के बरसलोया में शुक्रवार को रथयात्रा श्रद्धापूर्वक धूमधाम से निकाली गई। रथयात्रा को लेकर बरसलोया स्थित जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को विधिवत पूजा अर्चना के साथ भगवान जगन्नाथ भाई

बलभद्र व बहन सुभद्रा की पुरोहित व यजमान के द्वारा भगवान जगन्नाथ का जयकारा लगाते हुए रथ का परिक्रमा कराने के बाद रथ पर तीनों विग्रहों को स्थापित कर रथयात्रा 3-30, बजे मंदिर परिसर से निकाली गई। इस मौके पर मंदिर परिसर में भण्डारा का आयोजन कर महाप्रसाद वितरण

किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। रथयात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैज थे। रथयात्रा को सफल बनाने में बरसलोया रथयात्रा समिति के सभी सदस्य उपस्थित होकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

जोकबहार पंचायत में मनरेगा के योजनाओं का डीसी ने किया निरीक्षण

- मनरेगा योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया, क्रियान्वयन की प्रगति की ली जानकारी।
- समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के लिए निर्देश।
- बिरसा हरित ग्राम योजना की गतिविधियों (गहूा खुदाई, पौधारोपण, जलकुंड, इंटरक्रॉपिंग आदि) की विशेष समीक्षा।
- ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव को कार्यों में तेजी लाने और पारदर्शिता बरतने के निर्देश।
- अबुआ आवास योजना के निर्माणधीन आवासों की गुणवत्ता की जांच की गई।



ली तथा संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत चल रही गतिविधियों की विशेष समीक्षा की। उन्होंने ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव को निर्देशित किया कि गहूा खुदाई, पौधारोपण, इंटरक्रॉपिंग, जलकुंड निर्माण, मानक अनुरूप योजना बोर्ड एवं H-टेका से संबंधित सभी कार्यों में तीव्र गति लाएं ताकि योजना का लाभ समय पर ग्रामीणों को मिल सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी कार्य निष्पक्षता के अनुरूप एवं पारदर्शी ढंग से हों। उपायुक्त ने अबुआ आवास योजना के तहत निर्माणधीन आवासों का

निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति बेघर न रहे और सभी को उनका पक्का मकान मिले। इसलिए इस योजना का सतत मॉनिटरिंग कर समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करावें। उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाएं मुख्यमंत्री की बहुत ही महात्वाकांक्षी योजना हैं जो ग्रामीणों के लिए रोजगार का प्रमुख साधन हैं, अतः इनके प्रभावी क्रियान्वयन से गांवों में आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सौरभ रेनियर खलखो, पंचायत मुखिया, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक समेत अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त ने किया मनरेगा योजनाओं का निरीक्षण



पाकरटांडी। उप विकास आयुक्त दीपाकर चौधरी के द्वारा प्रखंड पाकरटांड के सुदूरगर्वा गांव केशलपुर और पाकरटांड पंचायत में मनरेगा अंतर्गत विभिन्न योजनाओं बिरसा हरित ग्राम योजना एवं बिरसा सिंचाई क्रम संवर्धन योजना) का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में बिरसा हरित ग्राम योजना में सभी क्रियाकलाप यथा पौधों में समायानुसार खाद, पौधों के चारों ओर साफ- सफाई, इंटरक्रॉपिंग आदि करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उप विकास आयुक्त द्वारा ग्रामीणों के साथ योजना से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी ली गई। उक्त भ्रमण कार्यक्रम में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनौज अभियंता, पंचायत सचिव, मुखिया एवं रोजगार सेवक उपस्थित थे।

बीजामर्चाजरा टोली में हाथियों ने महिला का घर किया तहस-नहस, अनाज और सामान बर्बाद

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड के महाबुआंग थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिंजामर्चा जरा टोली में गुरुवार रात्रि जंगली हाथियों ने तांडव मचाया। घटना में लिली कांगड़ी नामक महिला का घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हाथियों ने घर में रखे अनाज को खा लिया और बर्तन, कपड़ा समेत अन्य घरेलू सामानों को भी नुकसान पहुंचाया। बरसात के मौसम में घर उजड़ने से महिला खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार रात लगभग 2:00 बजे तीन हाथियों का झुंड गांव में पहुंचा और लिली कांगड़ी के घर को चारों ओर से घेरकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। घटना की सूचना



झामुमो सोय पंचायत अध्यक्ष संदीप समद को मिली, जिन्होंने तत्परा दिखाते हुए प्रखंड उपाध्यक्ष तनवीर हुसैन, सचिव अमित बडिंग तथा विधायक सुदीप गुड्डिया को सूचित किया। विधायक के निर्देश पर वन विभाग से तत्काल संपर्क कर पीड़िता को 5,000 की सहायता राशि प्रदान की गई। वन क्षेत्र पदाधिकारी ने आगे की मुआवजा प्रक्रिया शीघ्र

पूरी करने का आश्वासन दिया। ध्वर, घटना की जानकारी मिलते ही प्रमुख सुधीर डांग, बेड़ाइगी मुखिया हेलेना कंडुलन, वार्ड सदस्य संदीप समद, ग्राम प्रधान, झामुमो के पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़िता को राशन सामग्री उपलब्ध कराई। ग्रामीणों ने वन विभाग की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई और हाथियों के बढ़ते आतंक से सुरक्षा की मांग की है।

रांची, शनिवार, 28 जून 2025

न्यूज बॉक्स

जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में महिला संघ का फरसबेरा तीर्थ स्थल भ्रमण



सिमडेगा। जुबली वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में कलीसिया द्वारा आयोजित आशा के तीर्थयात्री कार्यक्रम के तहत आज तुमड़ेगी पल्ली अंतर्गत महिला संघ की माताओं ने फरसबेरा तीर्थ स्थल का आध्यात्मिक भ्रमण किया। इस धार्मिक यात्रा का नेतृत्व पल्ली पुरोहित सह डीन फा. थोमस सॉरेंग कर रहे थे। तीर्थ स्थल पहुंचने के बाद विनती और प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके पश्चात फा. थोमस सॉरेंग की अगुवाई में मिससा बलिदान अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर फा. इमानुल, फा. निकोदिम, फा. माक्स सिंदुरिया, फा. सुमन, अनीना केरेकेट्टा, निरु कांति बड़ा, ऑडील कुंजूर, जोशीमा कुतुल, सरिता कुल्लू तथा महिला संघ की सभामंत्री और पदाधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर फा. थोमस सॉरेंग ने कहा कि "यह जुबली वर्ष कलीसिया के लिए ऐतिहासिक अवसर है, जो आत्मिक नवीनीकरण और एकता का संदेश देता है। यह समय है जब हम सभी को आशा, विश्वास और सेवा के भाव से आगे बढ़ना है। लगभग 500 की संख्या में माताएं और बहनें इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु पल्ली स्तर से एकत्रित हुईं। पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ, जिसमें सहभागियों ने आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की।

झिरकामुंडा हाट में चला नशा मुक्ति व जनजागरूकता अभियान

कुरुडेग। प्रखंड के झिरकामुंडा साप्ताहिक हाट में शुक्रवार को सूचना एवं जन संपर्क विभाग, सिमडेगा के सौजन्य से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आदिकला मंच कोलेबिरा के कलाकारों ने गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, ब्रह्मपात व सर्पदंश से बचाव तथा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की जानकारी दी। नुक्कड़ नाटक में बनभूल नायक, परमानंद दास, रतन नायक, अनुपमा विजय और सोनामणी केरकेट्टा समेत अन्य कलाकारों ने सराहनीय भूमिका निभाई। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों की अच्छी भागीदारी रही। जन-जागरूकता सह प्रचार-प्रसार कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सामाजिक कुरीतियों से संबंधित जानकारी देना था।

झारखंड में युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की घोषणा



सिमडेगा। भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा झारखंड प्रदेश में ब्लॉक, विधानसभा, जिला एवं राज्य स्तर पर संगठनात्मक चुनाव की घोषणा की गई है। इस मौके पर जिला कोऑर्डिनेटर सीमांचल कुमार द्वारा प्रेस वार्ता की उन्होंने बताया यह चुनाव 28 जून से 04 जुलाई 2025 तक नामांकन अभियान के साथ प्रारंभ होगा। इस ऐतिहासिक प्रक्रिया का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक माध्यम से नेतृत्व के अवसर देना है। उन्होंने बताया यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिव ने इसे राजनीति में पारदर्शिता और लोकतंत्र की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया। वहीं, जोनल प्रभारी सिमांचल कोडॉइ ने कहा कि राहुल गांधी की सोच से प्रेरित यह प्रक्रिया मध्यम वर्गीय युवाओं को नेतृत्व का अवसर देगी। उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण और ऑरिएंटेशन सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए वेबसाइट www.ycea.in पर जाएं। भारतीय युवा कांग्रेस सभी जागरूक युवाओं से अपील करती है कि वे इस ऐतिहासिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनें और देश निर्माण में भागीदारी निभाएं।

तिलाईजारा में ग्राम सभा का विरोध, रियल एस्टेट कंपनी को जमीन देने से इंकार

जलडेगा। प्रखंड जलडेगा अंतर्गत लोम्बांड पंचायत के तिलाईजारा गंजू टोली में ग्राम प्रधान जुनास टोपनो की अध्यक्षता में ग्राम सभा आयोजित की गई। बैठक में ग्रामवासियों ने एक स्वर में अंसुराज कृपु रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड"कंपनी को जमीन देने का विरोध किया। ग्राम सभा ने निर्णय लिया कि किसी भी बाहरी व्यक्ति या कंपनी को गांव की जमीन नहीं दी जाएगी। यह भी आरोप लगाया गया कि ओडिशा निवासी कुछ रेयत और भू-माफिया फर्जी ग्राम सभा के माध्यम से कंपनी को जमीन बेचने की कोशिश कर रहे थे, जिसमें आदिवासी जमीनों की चिन्हित थीं। ग्राम सभा ने सभी दस्तावेजों की गहन जांच के बाद आपत्ति जताई और चेतावनी दी कि यदि इस प्रयास को नहीं रोका गया, तो कंपनी, दलालों और संबंधित थानों के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। बैठक में ग्राम सचिव मुकुट बागे, मुखिया शिशिर डांग, प्रदीप कंडुलना समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और एकजुटता के साथ भूमि सुरक्षा का संकल्प लिया।

जर्जर अस्पताल पर अजीत कंडुलना ने जताई चिंता, सुधार की मांग

बानो। प्रखंड अंतर्गत ग्राम सोय स्थित जनजातीय कल्याण ग्रामीण अस्पताल की जर्जर हालत पर कांग्रेस बानो प्रखंड अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि अजीत कंडुलना ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मंगलवार को अस्पताल का निरीक्षण किया और वहां व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग पर सवाल खड़े किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि अस्पताल भवन की छत व दीवारों से पानी का रिसाव हो रहा है, शौचालय अत्यंत गंदे और अनुपयोगी हैं। अस्पताल में डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी है। वहीं जीवन रक्षक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, बिजली और पेयजल की निर्यात आपूर्ति भी बाधित है। अजीत कंडुलना ने कहा कि यह अस्पताल बानो और आसपास के आदिवासी गांवों की एकमात्र स्वास्थ्य सुविधा है, जिसकी ऐसी दुर्दशा बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने इसे आदिवासी समुदाय के साथ अन्याय करार देते हुए तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द अस्पताल भवन की मरम्मत, स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति, दवाओं की निर्यात आपूर्ति एवं मूलभूत सुविधाओं की बहाली सुनिश्चित करने की मांग की। निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अस्पताल कर्मियों की उपस्थिति में एक मांग पत्र भी तैयार किया गया, जिसे शीघ्र ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा जाएगा।



सड़क हादसों में घायल हुए लोग, प्रशासन और जनप्रतिनिधि पहुंचे अस्पताल

बानो। प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को दो अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में कुल आठ लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया। बानो थाना प्रभारी सोनू कुमार एवं स्वास्थ्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. मनोरंजन कुमार के निर्देश पर तत्काल एंबुलेंस और वाहन मौके पर भेजे गए। सभी घायलों को बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉ. शाहबाज अली द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य एवं झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य बिजली कंडुलना, प्रखंड सांसद प्रतिनिधि अजीत कंडुलना, कांग्रेस नेता अधिकार बागे, हर्षित सांगा और समाजसेवी विकास मधैया अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने डॉक्टरों से घायलों को सुनिश्चित इलाज सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। फिलहाल सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बानो में चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

संपादकीय

जड़ों से हिंदी विरोधी राजनीति

हिंदी को प्रतिष्ठित करने में महाराष्ट्र की बड़ी भूमिका रही थी। राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी समय महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र देखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीति मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर

तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार व सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुरु उन राज्यों में भी सुनाई दे रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी

ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैकों व केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी व अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन

पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से वहां किस तरह की बदसलुकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा ही नजर आया। कन्नड़ न बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करता नजर आया। सांप्रतवेयर क्रांति के केंद्र बंगलुरु में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को आंदो और बाइक चालकों की बदसलुकी का शिकार होना पड़ा है। आजादी के 77 साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ दुर्व्यवहार होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है।

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर

अंगूर खट्टे, मंत्री जी सच्चे

पुराने बक्से में बंद धूल फांकी तो डायरी, आज भी उतनी ही चुपन पैदा करती है, जितनी बरसों पहले किया करती थी। उस पर लिखा नाम ‘मास्टर चमचा लाल’, एक ऐसा नाम जो किसी ज़माने में हर दफ्तर के गलियारों में गुंजाता था। लेकिन आज? आज तो चमचे ही चमचे हैं, कोई ‘लाल’ नहीं। हाँ, ‘लाल’ तो अब बस सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ने वाले नेताओं के चेहरों पर दिखती है, उस ‘लाल’ रंग के लिए जो वोटों की फसल से पैदा होता है, और फिर खाया जाता है, जनता के सपनों को रौंदकर। मैं, यानी मास्टर चमचा लाल, एक ऐसा अदना सा प्राणी था जिसने

द्वंग्य की बात



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा ‘रत्नगुप्त’

तब तक बचा ही क्या रहता है? बस एक खाली लिफाफा, जिस पर लिखा होता है: “जीवन सफल”। सफल? या सिर्फ एक सफल समझौता? अरे, क्या बताएं! जीवन ऐसा चक्रव्यूह है, जिसमें आदमी अभिमन्यु बन के घुसता तो है, पर बाहर निकलने का रास्ता कहीं मिलता ही नहीं। मेरी भी यही कहानी है। जब मैं नया-नया इस ‘सेवा’ के क्षेत्र में आया था, तो सोचा था, “वाह, अब तो देश की सेवा करेंगे!” पर देश की सेवा करने से पहले अपनी सेवा करनी पड़ती है, और वो भी ऐसी कि आप भूल जाते हो कि देश है भी या सिर्फ आपके पेट का गड्ढा। उन दिनों बड़े-बड़े दावे हुआ करते थे, “हम भ्रष्टाचार मिटा देंगे!” और हम जैसे भोले लोग तालियाँ पीटते थे, “हाँ-हाँ, मिटा दो!” पर वो मिटाते क्या थे? सिर्फ अपनी पुरानी पार्टियों का नाम, ताकि नई बोलालों में पुरानी शराब भरकर बेची जा सके। मैंने अपनी आँखों से देखा है, ईमानदारी को कैसे फाइल दर फाइल कुचला जाता है। मेरा

सुप्रभात



“विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने समाज और देश के प्रति जागरूक रहे। उसे अपने समाज और देश की समस्याओं के बारे में सोचना चाहिए और उनका समाधान खोजने का प्रयास करना चाहिए।” - **हजारी प्रसाद द्विवेदी**

रेयर अर्थ मिनरल्स व ईंधन-तेल में आत्म-निर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम

कभी केवल तेल था, अब इसके साथ रेयर अर्थ मिनरल्स भी आ जुड़ा है किसी देश की आर्थिक संप्रभुता को प्रबल बनाए रखने के लिए। क्योंकि जहां कोई भी उत्पादन होता है, वहाँ मैग्नेट की जरूरत पड़ती है, जैसे विंड टर्बाइन, विद्युत जेनरेटर्स; इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स, एयरक्राफ्ट इंजन, कार आदि। मैग्नेट चाहिए तो जरूरी है आपके पास रेयर अर्थ मिनरल्स हों, जिससे ये बनकर तैयार होती है। रेयर अर्थ मिनरल्स आज चीन के पास सर्वाधिक 42 मिलियन टन हैं, जबकि इसके शोधित प्रारूप की दृष्टि से दुनिया की 90% आपूर्ति ये करता है। भारत के पास भी 7 मिलियन टन का वर्तमान रिजर्व है, और दुनिया में रूस के बाद पाँचवें नंबर पर है; जबकि अमेरिका के पास दुनिया का केवल 2% ही है। वैसे भारत में अभी एक्सप्लोरेशन चल रहा है, और संभावना है ये क्षमता 15 मिलियन टन के ऊपर पहुँच सकती है। लेकिन अभी स्थिति ये है, भारत को इसे चीन से आयात करना पड़ रहा है।क्यूँ? क्यूँकी अब से पहले इसका नियंत्रण देश के पब्लिक सेक्टर ‘इंडियन रेयर अर्थ मिनरल्स लिमिटेड’ के अधीन था। और कुछ अपवादों को छोड़

दें तो इन सरकार नियंत्रित सेक्टर्स की सुस्त कार्य प्रणाली से सब सुपरिचित हैं। लेकिन अमेरिका के टेरेफ्र-वार के चलते अब चीन ने इसको शरत् के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। साथ ही उद्योगिक विस्तार के साथ भारत की भी आवश्यकता बढ़ गई है। पिछले वर्ष हमें जरूरत थी 4.5 हजार टन की, जबकि देश में उत्पादन हुआ कुछ सौ टन। इसलिए भारत ने अब एक 1000 करोड़ की प्रोडकसन लिंकड इंसेन्टीव -स्क्रीम भी शुरू कर दी है, साथ ही पब्लिक सेक्टर का एकाधिकार खत्म कर प्राइवेट सेक्टर को आमंत्रित किया जा रहा है। कहते हैं राजस्थान के रेंगिस्तान में इसका अथाह भंडार पड़ा है, जहां अभी तक गहरी खुदाई हुई ही नहीं। क्यूँकी जिसे करना था वो था पब्लिक सेक्टर का उपक्रम। उसके लिए अब रास्ता खोल दिया गया है, अश्विनी वैष्णव के द्वारा। अब ये काम प्राइवेट सेक्टर सम्पन्न करेगा। इतना भर नहीं, ऑस्ट्रेलिया के पास 6 टन रेयर अर्थ मिनरल्स है। और भारत और ऑस्ट्रेलिया ने समझौता कर निश्चित किया है कि इस दिशा में मिलकर काम करेंगे।

दूसरी तरफ खबर है कि देश में अंडमान के समुद्री तट के निकट तेल का 4.5 बिलियन बैरेल्स का बड़ा भंडार मिला है। इतना बड़ा कि जब यहाँ से तेल निकलना शुरू हो जाएगा, तो इसकी मात्रा कम से कम 2.50 लाख बैरेल्स प्रति दिन होगी। जबकि वर्तमान में बॉम्बे हाई से सर्वाधिक 1.35 लाख बैरेल्स प्रतिदिन प्राप्त होता है। यहाँ 1970 से हमें तेल मिल रहा है जो कि वर्तमान में प्राप्त कुल मात्रा का 35% है। कुछ समय पहले ही हमें बॉम्बे-हाई के पास ही दो जगह तेल के भंडार मिले हैं - सूर्यमणि और वज्रमणि। साथ ही डिपुरा में कुछ दिन



पूर्व 200 तेल के कुएं में से कुछ में ऑइल एक्सप्लोरेशन (अन्वेषण) चल रहा है, तो कुछ में से तेल निकालना भी शुरू कर दिया है। इसी प्रकार कृष्ण-गोदावरी बेसिन में 5 कुँओं में से 45 हजार बैरेल्स प्रतिदिन तेल मिलने का अनुमान है। फिर बिहार के समस्तीपुर और यूपी के बलिया जिले में भी तेल पाया गया है। क्या कारण है कि

पिछले कुछ समय से लगातार नित्य नए तेल भंडार का पता चल रहा है? ऑईल-फील्ड से सामान्यता जहाँ तेल मिलता है, वहाँ गैस भी पायी जाती है . आज की स्थिति में सोनार और राडार तकनीकी, और साथ ही रिसोर्स-सेटेलाइट से तेल को खोज निकलने का काम भी शुरू हो चुका है. जबकि इसके पहले पता नहीं क्यूँ इस और ध्यान ही नहीं दिया गया। इसी प्रकार इस व्यवसाय से जुड़े अन्दर की खबर रखने वालों की माने तो आयातकों से मिलने वाले भारी कमीशन के चलते कभी निजी कंपनियों को इस क्षेत्र से दूर रखा गया जिससे यथास्थिति बनी रहे। लेकिन अब जब से मोदी सरकार केंद्र की सत्ता में आयी ‘ओपन लाइसेंसिंग पालिसी’ के तहत जो अब तक अप्राप्त रहा उसे पाने के लिए इन निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी मौका दिया जाना शुरू हो चुका है। 2016 में सिंगल हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एण्ड लाईसेंसिंग पालिसी लागू कर पहले से स्थिति को आसान किया गया है। आज सुनने में विचित्र लग सकता है, लेकिन पहले तेल के कुएं से अगर कोई कंपनी को तेल निकालने का ठेका मिलता था, तो तेल के साथ निकलने वाली गैस भले हवा में उड़कर व्यर्थ नष्ट हो जाये पर ठेके की शर्त से बंधी कंपनी उसको स्टोर नहीं कर सकती थी. लेकिन अब नई नीति के अंतर्गत कुएं से प्राप्त होने वाली हर उपयोगी चीज देश हित में कंपनी स्टोर कर सकती है . इतना भर नहीं, अब ओपन एरिया लाइसेंसिंग पालिसी (OALP) के अंतर्गत कोई कंपनी तेल को खोज निकालने के काम के प्रस्ताव को भी लेकर आ सकती है. जबकि पहले सरकार के पास ही ये अधिकार सुरक्षित थे, और जो कि अपनी सुस्त गति से

फेसबुक वॉल से



एक्स से



आज का दोहा

प्रेम बगीचा सा नहीं, जब तब टहला जाय।
वह लम्बा एक रास्ता, पैदल मापा जाय।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444
संपादक

आँखों का सूरज, भीतर का उजाला

आँखें मानव चेतना की सबसे पारदर्शी अभिव्यक्ति है। वे केवल दृष्टि का माध्यम नहीं, आत्मा की अन्तर्ध्वनि हैं। वे देखती हैं, पर उससे अधिक प्रकाश करती हैं; वे रोती नहीं, पर भीतर बहते सागर की गवाही देती हैं। ये जीवन की उस पृष्ठभूमि ज्योति का संकेत है, जहाँ दृष्टि अनुभव में रूपांतरित हो जाती है और उजास को संवेदना का पर्याय बना देती हैं।

माँ की आँखों में वह सूरज हर दिन उगता है, जो बच्चे की क्षणिक पीड़ा भी पढ़ लेता है। उसकी किरणें अन्न की थाली पर ठहरी नहीं रहती, मन की परछाइयों तक चली जाती हैं। उसमें आत्मीयता भर देती है – यह मौन, जो शब्दों से अधिक कह जाता है। वह ऐसा प्रकाश होती है जिसमें शिशु का संसार प्रकाशित होता है,सुरक्षित होता है। वयस्क हो चली संतान भी अपनी समस्त थकान वहीं उतारती है। माँ की आँखें वह दीप हैं, जो आँधी में भी नहीं बुझते, और जिनकी लौ में संसार का सारा अंधकार भस्म हो जाता है। प्रेम की दृष्टि में सूरज का ताप कुछ और होता है – कोमल, आत्मविलीन, धड़कनों से पर्याप्त करता हुआ। वहीं संसार धुंधला हो जाता है, और केवल प्रिय का प्रतिबिंब रह जाता है। वह आँखें थामती नहीं, बाँधती नहीं, पर एक ऐसा उजास बिखेर देती हैं कि आत्मा उस आलोक में नहाकर लौट आती है। उस एक दृष्टि से मन के अनगिनत संशय गल जाते हैं, और भीतर कोई चुपचाप मुस्कुराने लगता है। यह दृष्टि प्रेम का असली राग है – मौन और सम्पूर्ण।

वृद्ध की आँखों में समय थका हुआ नहीं होता, परिपक्व होता है। वहाँ नयनों की कोर पर बैठा एक उदास सूरज नहीं, अपितु एक संतुष्ट आलोक होता है जो संसार को देख चुका है, जो चुका है, और अब केवल अनुभव की शांत दीप्ति में निहार रहा है। वे आँखें भविष्य को लेकर अधीर नहीं होतीं, अतीत को लेकर क्लान्त नहीं होतीं। वे बस देखती हैं – गहराई से, एक स्वीकार के साथ। यही वह

दृष्टि होती है, जिससे जीवन की अंतिम सीख मिलती है—धैर्य, समर्पण और मौन आस्था की। और फिर कुछ दृष्टियाँ ऐसी होती हैं जो आत्मा से निकलती हैं, जिनमें देखने का अर्थ जानना होता है, और जानने का अर्थ प्रेम करना। कभी कोई गर्वब बच्चा सड़क किनारे बैठा दिखता है धूल- धूसरित, पर

कोचिंग उद्योग पर आँखें खोलने वाला आलेख

आलेख ‘आंकड़ेबाजी करते सरकारी गुरुजी और बढ़ता कोचिंग उद्योग’ के माध्यम से वरिष्ठ पत्रकार सुनील बादल जी ने जायज चिंता ही व्यक्त की है। आज के परिप्रेक्ष्य में अगर बात की जाए तो यह सही ही है कि सरकारी विद्यालयों में पठन – पाठन का गिरता स्तर निजी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों के फलने – फूलने का एक प्रमुख कारण है। सरकारी विद्यालय भवनों की कमी, शिक्षकों की कमी, संसाधनों की कमी और शिक्षकों को अतिरिक्त कार्यों की जवाबदेही के कारण निश्चित ही सरकारी विद्यालयों में शिक्षा का स्तर गिरा है जिसका फायदा निजी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों को मिल रहा है और उनकी दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि हो रही है। सामान्य आदमी भी अपनी औकात से ज्यादा खर्च कर अपनों बच्चों को निजी शिक्षण संस्थानों में भेज रहा है।निजी संस्थानों में अपने बच्चों को पढ़ाना ‘स्टेटस सिम्बल’ बनता जा रहा है। और यही कारण है कि निजी संस्थान इसका फायदा उठाते हुए मोटी कमाई कर रहे हैं। सरकारी विद्यालयों के छात्रों की बात करें, तो यहाँ प्रतिभाशाली बच्चों की कमी नहीं है। बस उन्हें सही शिक्षण का माहौल एवं उचित शिक्षा एवं मार्गदर्शन नहीं

आपकी बात



दिलीप कुमार

सहायक लेखा

अधिकारी, पोतमा, लगमा, गढ़वा (झारखंड)

समाज को मंथन करने की जरूरत है ताकि हर बच्चे को उचित शिक्षा मिल सके और वह अपने बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी लाखों परिवार ऐसे हैं जो महज दो जून की रोटी जुटाने के लिए अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाते। भला उनके बच्चे कैसे पहुँगे सरकार को चाहिए वह शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती करे और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को दूर करने का प्रयत्न करे। आशा है कि बादल जी आगे भी सामाजिक मुद्दों पर ऐसे आलेख पेश करते रहेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

आँखों में चमक लिए और आप रुक जाते हैं। वह दृष्टि आपके भीतर उतरती है। आप कुछ नहीं कह पाते, पर भीतर कोई चीज हल्की हो जाती है। वहाँ उजाला किसी आँख से नहीं, आपकी अंतरात्मा से फूटता है। यही वह अन्तर्दृष्टि है, जो दर्शन और करुणा के मध्य से जन्म लेती है। कभी-कभी कोई ऐसा अनजान चेहरा दिखता है, जो हमारे भीतर कुछ जाग्रत कर देता है। वह व्यक्ति चला जाता है, पर उसकी आँखों का आलोक हमारे भीतर देर तक टिका रहता है। मानो किसी ने भीतर कोई दिया

रख दिया हो - बिना कुछ कहे, बिना कोई प्रत्यक्ष एह। यह रोशनी किसी किताब में नहीं मिलती, किसी उपदेश से नहीं आती - यह बस एक दृष्टि से उतरती है, और जीवन को सार्थक कर जाती है। भीतर के उजाले का माप किसी प्रकाशशक्ति से नहीं हो सकता। यह उजाला आत्मा की ऊष्मा है। यह वह सूरज से मिलता है, जो न किसी आकाश में उगता है, न किसी क्षितिज पर ढलता है। यह आँखों उगता है। यह किसी करुणा में, कभी किसी प्रार्थना में, कभी प्रेम की मौन स्वीकृति में। और जब यह

एक बार जल उठता है, तो बाहरी तम कितना भी हो - मनुष्य भीतर से प्रकाशित रहता है। जीवन के उत्तरार्ध में जब दृष्टि धुंधलाने लगती है, तब भी यदि यह उजाला जीवित रह जाए, तो वही व्यक्ति की अंतिम गरिमा बन जाता है। आँखें बंद होती हैं, पर भीतर का सूरज अब भी कहीं चमकता रहता है - मौन, स्थिर, शाश्वत। क्योंकि अंततः, आँखें वही नहीं जो केवल देखती हैं। वे वही हैं, जो भीतर दीप जलाती हैं और वही उजाला मनुष्यता की सबसे सुंदर, सबसे शुद्ध पहचान है - एक स्पंदनशील, करुणामय, प्रकाशवान अस्तित्व। यही उजास मनुष्य की सबसे कोमल, सबसे ऊर्ध्व सत्ता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)



राहर में भव्य रथ यात्रा, श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्राओं का आयोजन तीन प्रमुख स्थानों से हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। रथ खींचने की परंपरा निभाते हुए श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ रस्सी खींची और भगवान के दर्शन किए।

शहर के समाजजानकी मंदिर, पुलिस लाइन राट इस्टट हर कृष्ण
परिवार और ठाकुरदाई मंदिर से निकली रथ यात्राओं में भक्त
नानिकसि वैष्णवी में ढोल-नाना की थाप पर थिरकते नभत
आए। रथों के साथ कलाकारों द्वारा देवी-देवताओं के भेष में न
प्रस्तुतु भी दी गई, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। इसकों के
नेतृत्व में निकली यात्रा में मार्गपर फूल वर्षा की गई और भय
संगतम किया गया रथ और के दौरान विभिन्न संगठनों
जैसे श्री समाजजानकी मंदिर इस्टट, अंतरास्टीय हिंदू परिषद, श्री
श्याम मित्र मंडल, अम्रवाल क्लब, परशुराम वाहिनी—द्वारा
श्रद्धालुओं के बीच हलवा, लस्सी, जल आदि का वितरण
किया गया। रथ यात्रा के मार्ग पर नगर निगम द्वारा विशेष
सफाई और आभ्यासन चलाया गया और बत्तीचिंग पाउडर का
छिड़काव किया गया।



श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते यातायात पर असर पड़ा। शहर
थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस बल ने

सुरक्षा और विधि-व्यवस्था संभाली। प्रमुख उपस्थितजनों में पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी, पूर्व मेयर अरुणा शंकर, भाजपा प्रदेश

महामंत्री मनोज कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे

रथ यात्रा को लेकर नगर निगम ने किये
सफाई अभियान और ब्लीचिंग छिड़काव

मेदिनीनगर। नगर निगम मेदिनीनगर द्वारा शुक्रवार को भवमान जन्मन्वाश की रथ यात्राओं को लेते हुए विदेश सफाई अभियान चलाया गया। रथ यात्रा मार्गों पर सफाई के साथ ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सफाई कार्य नगर आयुक्त विश्वजीत महतो के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान की निगरानी नोडल पदाधिकारी शशिदत्त हसन ने की। उन्होंने बताया कि रथ यात्रा मार्गों पर दूधगी और दूध की शिकायतें मिलती थीं, जिसे देखते हुए सफाई चक्र-चौराहों और मंदिरों के रास्तों की सफाई के साथ रसकानिक छिड़काव किया गया है। तीनों प्रमुख रथ यात्रा स्थलों—रामनगनजी मंदिर, हरे कृष्ण निवास और ठाकुरबाड़ी मंदिर—के आसपास भी विशेष सफाई की गई। नगर निगम ने कर्मचारियों को अतिरिक्त कार्यबल के साथ तैनात किया और प्रसासि व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की। नगर निगम का यह प्रसासि श्रद्धालुओं में सरलाना का विषय बना और लोगों ने रथ यात्रा के दौरान स्वच्छ वातावरण के लिए निगम को धन्यवाद दिया।

लेस्लीगंज में सोना महल दुकान से चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

● 135 ग्राम सोना, 1150 ग्राम चांदी और बाइक समेत अन्य सामान बरामद, गिरोह के दो सदस्य अब भी फरार

आंध्र प्रदेश व उड़ीसा के निवासी निकले अपराधी



पुलिस कप्तान ने यह भी बताया कि इसी गिरोह के सदस्यों ने मैनिका में भी एक घटना को अंजाम दिया। 21 जून को ही पलामू के सदर और शहर थाना क्षेत्रों में ग्ले से चेन छिनटाई की तीन घटनाएं हुई थीं, जिनकी छानबीन जारी है। गिरफ्तार अवला बलराम के खिलाफ पुराने मुजफ्फरपुर (बिहार) और नयागढ़ (उड़ीसा) थानों में आमस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में प्रार्थनिका दर्ज है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोज कुमार झा, थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, विक्रम शर्मा, सुबोध कुमार, नबी अंसार, बिन यादव, रितेश कुमार, चैनपुर थाना पुलिस और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस का कहना है कि फरार अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

के मकान में दबिश दी, तो वहां रह रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आंवला दुर्गा प्रसाद (उम्र 27, गुमड़ी कोंडा, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश) और आंवला बलराम (उम्र 25, पिता- आंवला सुरेश, ग्राम- कोरटोली, उड़ीसा) के रूप

में हुई है। उनके पास से चोरी के
लगभग 135 ग्राम सोना, 1150
ग्राम चांदी, दो मोबाइल फोन और
एक पल्लर बाइक बरामद की गई।
पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने
बताया कि यह एक संगठित गिरोह
है जो पहले किसी क्षेत्र में 10-15
दिन रेकी करता है और उसके

बाद सुनियोजित तरीके से चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है। दोनों गिरफ्तार अपराधी पिछले छह महीनों से चैनपुर के लाडी गांव में रह रहे थे। गिरोह के अन्य दो सदस्य अब भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

वज्रपात से तीन गायों की मौत, पीड़ित पशुपालकों ने मुआवजे की उठाई मांग

कुंदा (चतरा)। कुंदा थाना क्षेत्र अं
और पिंजनी गांवों में शुक्रवार को हु
में तीन दुधारू गायों की मौत हो
पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकस
घटना की जानकारी देते हुए द्वा
यादव और नंदू गंझू ने बताया कि
घास चर रही थीं। बारिश शुरू हो
के नीचे चली गईं, तभी अचानक
वज्रपात हुआ, जिससे तीनों गायों
हो गई।

हैं भी शिवरात्रि मेल से खरीद कर लाए थे और उनके घर की आजीविका का मुख्य आधार यहीं पशु थे। गावों की असमय मृत्यु से उनका रोजगार और दूध का उत्पादन दोनों प्रभावित हुआ है। पशुपालकों ने प्रशासन से मांग की है कि उनको क्षति का आँकड़न कर उन्हें यथाशीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि वे फिर से अपना पालन-पोषण कर सकें।

इधर, स्थानीय मुखिया और जनप्रतिनिधियों ने भी मौके पर पहुँच कर पीड़ित परिवारों को ढाँढस बंधाया और प्रशासन से यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

पेज एक के शेष

जनता जनार्दन के...

हर कोई रथ को छूने और भगवान को मौसीबाड़ी तक पहुंचाने की लालस लिए अनुष्ठानों में शामिल होना चाह रहा था। आचार्य और श्रद्धालुओं के जयकारों, मंत्रोच्चार और वाद्ययंत्रों की गूँज ने जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में भक्तिभाव से लोगों को संसारे का मूँढ दे दिया। जगन्नाथपुर मंदिर में रथयात्रा के दौरान शुक्रवार को दिनभर विशेष पूजा-अनुष्ठान का आयोजन हुआ। भोर में चार बजे मंगल आरती से वैष्णविक कार्यक्रम शुरू होकर रात आठ बजे श्री विग्रहों के शयनम से पूरा हुआ जगन्नाथपुर मंदिर के मुख्य पुजारी रामेश्वर पाद्री के अनुसार, सुबह चार बजे मंगला आरती हुई। इसके बाद भगवान को पंचामृत स्नान कराया गया। पांच बजे श्री विग्रहों का दर्शन सुलभ हुआ। इसके बाद दिन में दो बजे तक भोर, हवन, कीर्तन और आरती जैसे धार्मिक अनुष्ठानों की प्रक्रिया जारी रही। मुख्य पुजारी रामेश्वर पाद्री के अनुसार, दिन में दो बजे श्रद्धालुओं के लिए दर्शन बंद हुआ। सभी श्री विग्रहों को मुख्य मंदिर से रथ के लिए क्रमशः श्री सुदर्शनचक्र गड़इड़ी, लक्ष्मी नरसिंह, बलभद्र स्वामी, सुप्रभा माता, श्री जगन्नाथ स्वामी को रथ के लिए प्रस्थान कराया गया। दिन में 2:30 बजे तक सभी विग्रहों का रथ के ऊपर स्थापित किया गया। इसके बाद दिन में 2:30 से 3:00 बजे विग्रहों का श्रृंगार किया गया। दिन में 3:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक भक्तों ने रथ के पास श्री लक्ष्मणा, शाम 4:30 बजे अर्चित पुष्प को जगन्नाथ स्वामी के चरणों पर समर्पित कर आरती जगन्नाथपथक्रम गीता पाठ किया। इसके बाद विशेष उत्सवदीया व्यक्तियों ने रथ का रस्सी बंधन किया, और फिर रथ को खींचने का कार्यक्रम शुरू हुआ। धीरे-धीरे रथ चलाया गया और शाम छह बजे रथ मौसी बाड़ी पहुंचाया गया। शाम 6:46 से 7:00 बजे तक सभी श्रीविग्रहों का रथ से उतारकर मौसीबाड़ी मंदिर में प्रवेश कराया गया। रात में 8:00 बजे वैधानिक तरीके से 108 मंगल आरती के बाद भगवान की शयनम प्रक्रिया पूरी हुई। मुख्य पुजारी के अनुसार, महाभोग में 56 प्रकार के व्यंजन भगवान को अर्पित किए गए। इनमें चावल, दाल, सब्जी, खीर, लड्डू और फल सहित अन्य चीजें शामिल थीं। ज्ञात हो कि वर्ष 1691 में बड़कागढ़ रियासत के नागवंशी राजा ठाकुर जी नाथ शाहदेव ने रथयात्रा की शुरुआत की थी। इसके बाद से रथयात्रा की यह पौराणिक परंपरा अब तक कायम है।

जेजेएमपी के उग्रवादियों...

पेशवा राईफल के 2 खोखा, एक 47 का 1 खोखा, मेमोजिन पाउच - 1, एंड्रयूड मोबाइल - 3, कोपैड मोबाइल - 3, वॉकी-टॉकी - 1, पावर बैंक - 1, नकद 3100 रुपय, नक्सली पचा, डावरी और दैनिक उपयोग की अन्य सामान्य वस्तुएं बकावद किया गया है। पुलिस ने सभी जन्तु सामग्रियों की सूची बनाकर उसे कामुनी प्रक्रिया के तहत कब्जे में लिया है और पेशावर थाना कांड संख्या 04/25 दिनांक 27.06.2025 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एसपी कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि यह अभियान राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे व्यापक नक्सल/उग्रवाद विरोधी अभियान का हिस्सा है। नक्सलियों/उग्रवादियों की गतिविधियों पर पूरी नजर रखी जा रही है। लोहरदगा पुलिस राज्य को नक्सल/उग्रवाद मुक्त बनाने के लिए कुतंसकल्पित है और भविष्य में भी ऐसे अभियानों का आयोजन जारी रहेगा।

लोहरदगा में दादी..

मृत्तकों की पध्दतन बरिया उराव (उम्र लगभग 60 वर्ष) और उनके नाबालिग पोते के साथ में हुई है, जो विनोद उरांव का बेदा था। परिजनों के अनुसार, हलया रूत के अंधेरे में की गई, जब घर के अन्य सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। सुबह जब परिजन जागे और कमरों की ओर गए, तो दोनों के शव देखकर स्तब्ध रह गए। प्रथम दृष्टया जांच में पुलिस को ज्ञात हुआ है कि नाबालिग की हलया किसी धारदार हथियार से की गई है, जबकि महिला का गला दबाकर हलया की गई है। दोनों शव घर के अलग-अलग कमरों में पाए गए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि हलयाए सुनिर्गोपित ढंग से अंदर घुसे थे। घटना की पुलिस मिलते ही सदर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक रनेश मोहन ठाकुर दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शकों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भिजवाया और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र करना शुरू किया। अब तक हलया में प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं किया जा सका है। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि भक्खो गांव में वृद्ध और किशोर की हलया की सूचना मिली है। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। घटनास्थल से सुराग जुटाए जा रहे हैं। हलया का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है, लेकिन अनुसंधान के बाद वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। इस दोहरे हलयाकांड से भक्खो डूंगरटोली गांव में मानस प्रसन्न हुआ है। ग्रामीण भयभीत हैं और घटना को लेकर गुस्सा भी व्यक्त कर रहे हैं। लोगों की मांग है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए।

ਪਰੇਸ਼ਾਨੀ

पचमो मोड़ यात्री शेड की दुर्दशा

बरसात में पेड़ के नीचे खड़े होने को विवश यात्री

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड के मुख्यालय मोड़ से करमा तह का यत्री सुविधा के लिए बना यत्री शेड अजरजर अवस्था में पहुंच गया है। यह शेड वर्षों पहले बनाया गया था, लेकिन रखरखाव के अभाव में अब पूरी तरह से टूट चुका है और यात्रियों के उपयोगी लोग नहीं रह गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गर्मी, बरखात और तेज धूप से बचने के लिए यहां बैठने का कोई उचित स्थान नहीं बच है। मानसून शुरु होने के बाद जब बाढ़ फैल रही है, है, तो यत्री और बाइक सवार लोग



मजबूरी में नजदीकी पेड़ों के नीचे

शरण लेते हैं।

यात्री शेड बनवाने की मांग

यह स्थिति काफी खतरनाक भी है क्योंकि राज्य सरकार वज्रपात से बचने के लिए पेट्र के नीचे रुकने से मना करती है, लेकिन यात्री बेबस हैं। स्थान ग्रामीणों और यात्रियों ने कई बार जनप्रतिनिधियों से नया यात्री शेड बनवाने की मांग की, लेकिन अब तक किसी ने संज्ञान नहीं लिया।

यह स्थिति काफी खतरनाक भी है। लेखिक का राज्य सरकार वज्रपात से बचने के लिए पेड़ के नीचे रुकने से मना करती है, लेकिन यात्री बेवस हैं। स्थानीय ग्रामाणियों और यात्रियों ने कई बार ज-प्रतिनिधियों से नया गांव का शोध बनवाने की मांग की। लेखिका शेट बनवाने की संज्ञान नहीं लिया। ग्रामाणियों का कहना है कि जल्द ही नया यात्री शेट नहीं तो आने वाले दिनों में यात्रियों अधिक परेशानी उठानी पड़ेगी। प्रशानन और संबंधित विभाग शीघ्र समाधान की अपेक्षा कर रही है।

नहीं लिया।

प्रामीणीं का कहना है कि अगर जल्द ही नया यात्री शेड नहीं बना तो आने वाले दिनों में यात्रियों को अधिक परेशानी उठानी पड़ेगी। प्रशासन और संबंधित विभाग से शीघ्र समाधान की अपेक्षा की जा रही है।

सीमा विवाद पर चर्चा

दोनों पक्षों को सकारात्मक गति बनाए रखनी चाहिए

किंगदामो (आईएनएस)

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डॉन की मुलाकात हुई। राजनाथ सिंह ने खुद इसकी जानकारी दी। बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया।

रक्षा मंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर खुशी जताई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, “किंगदामो में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए ये जरूरी है कि वो इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जितलताओं को जोड़ने से बचें। राजनाथ सिंह एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए गुरुवार को चीन पहुंचे। उनके आगमन पर एडमिरल डॉन जून ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह, डॉन जून और अन्य नेताओं ने रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो करवाया।

अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों के लिए टाटा ग्रुप बना रहा ट्रस्ट 1,000 करोड़ रुपए का होगा एआई171 ट्रस्ट

ब्यूरो

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ित परिवारों के लिए टाटा ग्रुप एक ट्रस्ट बना रहा है। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की एयर इंडिया में लगभग 74% हिस्सेदारी है। यह कंपनी इस ट्रस्ट के लिए 500 करोड़ रुपये देगा। इस ट्रस्ट का नाम एआई 171 ट्रस्ट होगा। सुर्जों के मुताबिक टाटा संस का सबसे बड़ा शेयरहोल्डर टाटा ट्रस्ट्स भी एआई171 ट्रस्ट के लिए 500 करोड़ रुपये की राशि दान कर सकता है। इस दुर्घटना में 250 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। मारे जाने वाले लोगों में 241 यात्री थे। इसके अलावा जमीन पर भी 19 लोग मारे गए। टाटा संस व एयर इंडिया ने पहले ही मृतकों के परिवारों को 1.25 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। टाटा संस के अलावा सिंगापुर एयरलाइंस के पास एयर इंडिया की लगभग 25% हिस्सेदारी है , जबकि कर्मचारियों के ट्रस्ट के पास बाकी 1% है। टाटा संस के बोर्ड ने बीते गुरुवार को इस ट्रस्ट के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

आलिया भट्ट ने रीक्रिएट किया सिलसिला की रेखा का आइकॉनिक लुक

1981 की क्लासिक फिल्म उमराव जान का स्वास जश्र मनाया गया

कहानी फिल्म जगत की

यह पुरानी यादों की रात थी, क्योंकि आलिया भट्ट बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री रेखा के साथ 1981 की क्लासिक उमराव जान की फिर से रिलीज का जश्न मनाने के लिए शामिल हुईं। मुजफ्फर अली की कल्ट फिल्म के 4K रस्टोरेशन के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में आलिया ने अपने अविस्मरणीय और टाट सिलसिला लुक को फिर से बनाकर स्क्रीन लीजेंड को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के बाद इंस्टाग्राम पर, सुंदरी ने कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप साझा कीं, जिसमें रेखा के साथ तस्वीरों के लिए पोज़ देते हुए उनकी एक मार्मिक छवि भी शामिल है।



चीन ने भारत को डाई-अमोनिया फास्फेट खाद की सप्लाई रोकी

दाम बढ़े, भारत में 80% यह खाद चीन से आता है

ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका की तरह चीन भी अब भारत से अपनी शतों पर सौदा करने लिए वह सब कर रहा है जो ट्रंप कर रहा है। चीन ने रेयर अर्थ मैटेरियल्स के बाद भारत को विशेष खाद की सप्लाई भी रोक दी है। जिसके कारण डाई-अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) के दाम में बहुत बढ़ गये। किसान परेशान हैं। जून में इसकी कीमत 800 डॉलर प्रति टन पहुंच गई जो हाल के महीनों में सबसे ज्यादा है। बीते वर्ष भारत ने लगभग 46 लाख टन डीएपी का आयात किया था। इसमें चीन की हिस्सेदारी 8.5 लाख टन या लगभग

न्यूयॉक | एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान को असैन्य ऊर्जा उत्पादन परमाणु कार्यक्रम शुरू करने के लिए 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच बनाने में मदद करने पर विचार कर रहा है, जिससे प्रतिबंधों में ढील मिलेगी और प्रतिबंधित ईरानी फंड में अरबों डॉलर जारी होंगे। यह चर्चा दोनों देशों के बीच कूटनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा मोड़ है, जो अमेरिका द्वारा तेहरान को शांति वार्ता के लिए मेज पर लाने का प्रयास प्रतीत होता है। सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव वित्कोफ और खाड़ी साझेदारों के बीच घंटों चली गुप्त बैठक में इस संदर्भ में कुछ विवरण सामने आए। इस सप्ताह इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम प्रस्ताव के बाद चर्चा जारी रही है। अमेरिका के लिए एक तत्व पर बातचीत नहीं हो सकती। ईरान यूरेनियम का संवर्धन नहीं करेगा। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक मसौदा प्रस्ताव में गैर-संवर्धन परमाणु कार्यक्रम के लिए अनुमानित 20-30 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश है, जिसका उपयोग नागरिक ऊर्जा उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। वाशिंगटन का गैर-परक्राम्य सौदा तेहरान के इस निरंतर रुख के विपरीत है कि उसे ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए संवर्धन की आवश्यकता है। ट्रंप के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि अमेरिका सीधे तौर पर इस कार्यक्रम के लिए भुगतान नहीं करेगा क्योंकि वह चाहता है



- प्रस्ताव में गैर-संवर्धन परमाणु कार्यक्रम के लिए 20-30 अरब डॉलर का निवेश
- निवेश का उद्देश्य केवल नागरिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है
- अमेरिका सीधे भुगतान नहीं करेगा अरब साझेदारी से खर्च की उम्मीद

कि उसके अरब साझेदार इसका खर्च उठाएं। हाल के महीनों में परमाणु वार्ता के पिछले दौर में ईरान की परमाणु ऊर्जा सुविधाओं में निवेश पर भी चर्चा हुई थी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका द्वारा ईरानियों को दिए जाने वाले अन्य प्रोत्साहनों में तेहरान पर लगे कुछ प्रतिबंधों को हटाना और पश्चिम एशियाई देश को वर्तमान में विदेशी बैंक खातों में जमा 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच की अनुमति देना शामिल है, जिसका उपयोग करने पर उस पर प्रतिबंध है।

मुनीर-ट्रंप की लंच डेट के बाद भारत की कूटनीति फेल हुई?

करांची । हाल ही में जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के सेना प्रमुख की जिस तरह से खारिजदारी की गयी उसके बाद से ही भारत की कूटनीति पर सवाल उठ रहा था। आखिर आसिम मुनीर के इतने जगिरीयार कैसे बच गये थे ट्रंप। भारत क्या अपनी कूटनीति में विफल हो रहा है.. इस तरह के सवाल देश के अंदर ही विपक्षी दलों ने उठाए थे। अब इस पर भारत के विदेश मंत्रालय का बया आया है। भारत ने कहा कि उसने पाकिस्तान के सेना प्रमुख की व्हाइट हाउस की हालिया यात्रा पर संज्ञान लिया है। साथ ही उसने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है और ‘‘हम 21वीं सदी की इस सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी की प्रगति को लेकर आश्चर्यत हैं’’। राजधानी में बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस की ओर से दिए गए निमंत्रण के बारे में पूछा गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 18 जून को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख के साथ दोपहर का भोजन किया था।

पाकिस्तान में आई बाढ़ में 18 पर्यटक बहे, सात लोगों की मौत

इस्लामाबाद(आईएनएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में स्वात नदी में शुक्रवार को अचानक आई बाढ़ में महिलाओं और बच्चों सहित 18 पर्यटक बह गए, जिससे सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार यह घटना फिजागत क्षेत्र में घटी, जहां दो परिवारों के सदस्य नदी किनारे नाश्ता कर रहे थे, तभी अचानक जलस्तर बढ़ने से कई लोग बह गए। बचाव अभियान के दौरान तीन व्यक्तियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। एक बचाव अधिकारी ने बताया कि हमें सुबह करीब आठ बजे इन लोगों के डूबने की सूचना मिली। बाईपास पर मेहमान आए हुए थे, जो नदी के किनारे बैठे थे। इन लोगों को पानी के रिलीज होने की जानकारी नहीं थी। घटना की पुष्टि करते हुए स्वात के डिप्टी कमिश्नर शहजाद महबूब ने बताया कि सात लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। अचानक आई बाढ़ के कारण कई जगहों पर करीब 73 लोग फंसे हुए हैं। बचाव अभियान में बड़ी मुश्किलें आ रही हैं। एक पर्यटक ने बताया कि उसके परिवार के 10 सदस्य बह गए।

18.4%है। डीएपी की कीमत बढ़ने से इसे आयात करने वाली कंपनियों का लाभ भी घटता है। मालूम हो कि भारत में यूरिया के बाद डाई भारत में सबसे ज्यादा यूज होने वाला खाद है। इसकी सालाना खपत 10 से 11 मिलियन टन है जिसमें से लगभग 5-6 मिलियन टन आयात किया जाता है। भारत डीएपी में उपयोग किये जाने वाले फास्फोरस व अमोनिया का भी आयात करता है। आयातित फास्फोरस में प्रति टन 10 डॉलर कीमत बढ़ने से फिनिशड डाई की कीमत प्रति टन 5 डॉलर बढ़

जाती है। आयातकों के अनुसार चीन से डीएपी के आयात में गिरावट आई है। फाइनैशियल ईयर 2024 में भारत ने चीन से 22 लाख टन डीएपी का आयात किया था जो उसके कुल आयात का 39.2 % था। भारत अब पश्चिम एशिया खासकर सऊदी अरब से इसका आयात कर रहा है। लेकिन ईरान - इजरायल युद्ध से व्यवधान आ गया । जनवरी में इसकी कीमत 633 डॉलर प्रति टन थी जो जून में 780 डॉलर पहुंच गई। अप्रैल के बाद से भारत में फिनिशड डीएपी की कीमत में प्रति टन 100 डॉलर की तेजी आई हैइन हालात में चीन द्वारा डीएपी जैसी फर्टिलाइजर्स की सप्लाई

रोकने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भारत सालाना 6 लाख टन स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर्स का आयात करता है। इसमें से 80 % चीन से होता है। देश में इनका केवल 10 % उत्पादन होता है और बाकी 10 फीसदी हिस्सा दूसरे देशों से आता है। परंपरागत फर्टिलाइजर्स की तुलना में इसकी कीमत बहुत ज्यादा है। एक किलो परंपरागत खाद की कीमत जहां 5 से 6 रुपये बैठती है, वहीं एक किलो स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर्स की कीमत 80 से 100 रुपये होती है। इसकी कमी से फलों, सब्जियों व फसल की उत्पादकता, गुणवत्ता व किसानों की आय पर असर हो सकता है।

नेतन्याहू को छोड़ ट्रंप ने खामनेई से हाथ मिला लिया

ईरान को कर दी 30 अरब डॉलर की डील की पेशकश

ईरानी सुप्रीम लीडर के इस दांव के आगे मोसाद की भी नहीं चल सकी

तेल अवीव । इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने कहा है कि हाल ही में 12 दिनों के संघर्ष के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई हाई टारगेट पर थे। लेकिन भूमिगत होकर उन्होंने हत्या से बचा लिया और यदि संभव होता तो वे उन्हें मार गिराते। लेकिन खामनेई ने एक सीक्रेट ठिकाने पर शरण लेकर खुद को बचाया। बताया जाता है कि युद्ध शुरू होने के बाद खामनेई का ऐसी लोकेशन पर शिफ्ट हो गए थे, जिसे इजरायली तलाश नहीं सका। युद्धविराम के बाद खामेनेई ने टेलीविजन पर कहा कि ईरान कभी भी अमेरिका और इजरायल के सामने नहीं झुकेगा। **मोसाद भी नहीं कर पाया ट्रंस** : इजरायल के ईरान पर हमले शुरू होने के बाद अली खामेनेई तेहरान के पूर्वोत्तर उपनगर में एक बंकर में छिप गए थे। इस दौरान उन्होंने अपने कमांडरों के साथ सभी इलेक्ट्रॉनिक संचार बंद कर दिए थे। सुरक्षाकर्मी, नजदीकी लोगों और परिवार को ही उनकी लोकेशन की जानकारी थी। फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बंद होने से उनकी लोकेशन को ट्रंस करना तकरीबन नामुमकिन काम था।

युद्ध के दौरान खामनेई की तलाश की जा रही थी

कई इजरायली चैनलों पर साक्षात्कार मेंकैट्ज़ ने दोहराया कि इजरायल ने पूरे युद्ध के दौरान खमेनेई की सक्रिय रूप से तलाश की। चैनल 13 पर उन्होंने कहा कि हमने बहुत खोजी की। उन्होंने आगे कहा कि इजरायल का उद्देश्य शासन परिवर्तन नहीं था, बल्कि ईरान के नेतृत्व को अस्थिर करना और संघर्ष के दौरान दबाव डालना था।



हवाई हमलों में टॉप जनरलों को बनाया गया निशाना

13 जून को शुरू हुआ संघर्ष 25 जून को अमेरिका द्वारा मध्यस्थता किए गए युद्ध विराम के साथ समाप्त हुआ। इसमें व्यापक इजरायली हवाई हमले शामिल थे। इन हमलों में कई शीर्ष ईरानी कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। कैट्ज़ ने उल्लेख किया कि इजराइल ने हवाई श्रेष्ठता बनाए रखी और ईरान के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की नीति लागू की, जिसका उद्देश्य देश की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं के पुनर्निर्माण के प्रयासों को रोकना था।

चुंबक व दुर्लभ खनिज की आपूर्ति करेगा चीन

ब्यूरो

अमेरिका-चीन में सौदा

- अमेरिका चीनी छात्रों को अपने कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में पढ़ने की अनुमति देगा
- ट्रंप ने कहा, एक अलग सौदा हो सकता है जिससे भारत के लिए “खुल जाएगा” रास्ता

हो कि ट्रंप द्वारा लगाए गए नए अमेरिकी टैरिफ के विरोध में चीन ने कई महत्वपूर्ण खनिजों और चुम्बकों के निर्यात को निलंबित कर दिया, जिससे दुनिया भर में ऑटोमोकर्स, एयरोस्पेस निर्माताओं, सेमीकंडक्टर कंपनियों व सैन्य टेकेदारों के लिए केंद्रीय आपूर्ति श्रृंखलाएँ प्रभावित हुईं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा, “प्रशासन और चीन ने जेनेवा समझौते को लागू करने के लिए एक रूपरेखा के लिए एक अतिरिक्त समझ पर सहमति व्यक्त की।” अधिकारी ने कहा कि यह समझ “इस बारे में है कि हम

अमेरिका को फिर से दुर्लभ-पृथ्वी शिपमेंट को कैसे लागू कर सकते हैं”। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने ब्लूमबर्ग से कहा- “वे हमें दुर्लभ मृदा पहुँचाने जा रहे हैं” और एक बार चीन ने ऐसा कर दिया, तो “हम अपने जवाबी उपाय वापस ले लेंगे”।उद्योग के एक सूत्र के अनुसार, चीन दुर्लभ मृदाओं पर अपने दोहरे उपयोग प्रतिबंधों को “बहुत गंभीरता से” ले रहा है और यह सुनिश्चित करने के लिए खरीदारों की जांच कर रहा है कि सामग्री को अमेरिकी सैन्य उपयोगों में न बदला जाए। इसने लाइसेंसिंग प्रक्रिया को धीमा कर दिया है। चीन ने रेअर अर्थ मैटेरियल्स कंपनियों से कहा है कि वे सरकार को तकनीकी विशेषज्ञता वाले श्रमिकों की सूची प्रदान करें और कुछ को अनधिकृत विदेश यात्रा करने से रोकने के लिए अपने पासपोर्ट जमा करने के लिए कहा है। चीन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके व्यावसायिक

रूप से मूल्यवान दुर्लभ-पृथ्वी ज्ञान को विदेशी विरोधियों के साथ साझा न किया जाए। कार निर्माताओं ने पहले ही दुर्लभ पृथ्वी तत्व व उनके उपयोग किए जाने वाले चुम्बकों की आपूर्ति श्रृंखला की कमी के कारण कारखानों के लगभग ठप हो जाने की शिकायत की है। इस सप्ताह फोर्ड के एक कार्यकारी ने कहा कि कंपनी “हैंड टू माउथ” हालत में पहुँच गई है। जून की शुरुआत में चीन ने शीर्ष तीन अमेरिकी वाहन निर्माताओं के दुर्लभ-पृथ्वी सामग्री आपूर्तिकर्ताओं को अस्थायी निर्यात लाइसेंस प्रदान किए थे क्योंकि उन सामग्रियों पर निर्यात प्रतिबंधों से आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान सामने आने लगे थे। अब ट्रम्प ने कहा कि चीन के साथ एक समझौता हुआ है जिसके तहत बीजिंग चुम्बक व दुर्लभ खनिज की आपूर्ति करेगा, जबकि अमेरिका चीनी छात्रों को अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने की अनुमति देगा।















वैक्टस ग्रुप ब्रांड्स
Ganga® waterwell®

व्हाट्सएप पर जानकारी के लिए
QR कोड स्कैन करें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
टोल फ्री नं: 1800 202 6666 | व्हाट्सएप: 8800097939